हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 168, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 10 दिसम्बर, 2022 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

बदमाश इस चौराहे पर अपराध करेगा, तो अगले चौराहे पर हो जाएगा ढेर : मुख्यमंत्री

388 करोड़ रुपए की 272 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

कानपुर। वीएसएसडी कॉलेज ग्राउंड में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 388 करोड़ रुपए की 272 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कानपुर की जनता का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार कानपुर समेत प्रदेश के विकास की प्रतिबद्धता के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कानपुर कभी उत्तर भारत के मैनचेस्टर के रूप में विख्यात था। अपने उद्योगों के बदौलत अलग पहचान रखता था, जो देशभर के नौजवानों के लिए रोजगार मुहैया कराता था। लेकिन 70-80 के दशक में कुछ लोगों की बदौलत देश के पांच बड़े महानगरों में गिना जाने वाला कानपुर अराजकता और अव्यवस्था का शिकार हो गया। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम कानपुर का छवि बदलने के लिए प्रयासरत हैं। इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। नमामि गंगे, मेट्रो रेल, डिफेंस

कॉरीडोर, स्मार्ट सिटी आदि से कानपुर को बदला जा रहा है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर के जरिए स्मार्ट मिशन में कोविड-19 की बेहतर व्यवस्था की गई। वही कूड़ा प्रबंधन और शहर को सुरक्षित रखने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। कानपुर सहित प्रदेश में बेहतर सुरक्षा और कानून व्यवस्था स्थापित हुई है।

उन्होंने कहा कि आईसीसीसी के तहत कानपुर सहित 18 शहरों को सेफ सिटी बनाने के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका परिवर्तन व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है। अब कोई भी समाज विरोध तत्व अपराध करने की हिम्मत नहीं कर रही है। यदि किसी ने किसी चौराहे पर शरारत की, तो अगले चौराहे पर भागने से पहले ही पुलिस उसको ढेर कर चुकी होगी। क्योंकि उसकी तस्वीरें चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुकी होगी।

यही नहीं, आम जनमानस की सुविधाओं को देखते हुए शहरों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। निवेशकों के परिश्रम और पुरुषार्थ से शहर स्मार्ट हो रहे हैं। समारोह में सबसे पहले सीएम ने मंच पर छात्र अभिनव और आर्य को सम्मानित किया। इसके बाद प्रबुद्ध वर्ग से डॉक्टर, उद्यमी, शिक्षक समेत 51 लोगों को सम्मानित किया।

प्रमिला पांडेय बोलीं- सीएम ने प्रदेश में दिया भय रहित माहौल- समारोह में कानपुर मेयर प्रमिला पांडेय ने कहा कि प्रदेश में पहले भी कई सीएम आए हैं,लेकिन जो भय रहित माहौल प्रदेश में है। वो सिर्फ योगी जी की वजह से है। वहीं, सांसद सत्यदेव पचौरी ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में कानपुर सहित पूरा प्रदेश बदल रहा है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में मोदी जी के नेतृत्व में विजय का परचम फहराया। पहले उत्तर प्रदेश पिछड़ा प्रदेश था। योगी जी ने अपनी दूरदर्शिता और पक्के इरादे के बाल पर यूपी को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया है। विकास के मामले में नंबर दो पर है अब यूपी और ये सिर्फ योगी ने कराया।

वहीं, देवेंद्र सिंह भोले ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में 300 करोड़ का विकास कराया है। यहां मिनी पीजीआई की तरह इलाज होता है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद से यूपी का कोई आदमी भूखा नहीं सोया है...सिर्फ मोदी और योगी की वजह से। यही नहीं,कानपुर विकास की नई इबारत तेजी से लिख रहा है। शहर को समय से पहले मेट्रो की सौगात मिली है। मैंने पचौरी जी के साथ मिलकर कानपुर को विकास की कई सौगात देने के लिए लगातार दिल्ली में प्रयास किया है और आगे भी करेंगे। इसके बाद गोद भराई और अन्नाप्रासन के लिए सीएम ने किट दी। आयुषी, शिविका और जया का अन्नप्राशन किया। साथ ही, रोशनी और रुकमणी की गोद भराई रस्म अदा की। साथ ही, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का वीडियो भी लांच किया गया। इसके बाद कानपुर स्मार्ट सिटी की कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन हुआ।

इन योजनाओं का किया लोकार्पण- कार्यक्रम में सीएम ने 387.59 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। पालिका स्टेडियम में बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कारगिल पार्क में बोटिंग समेत 174.12 करोड़ की डेढ़ सौ परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके अलावा 213.47 करोड़ की 122 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की बैठक का ब्यौरा मांगने वाली याचिका खारिज की, कहा- यह आरटीआई के दायरे में नहीं

नई दिल्ली। आरटीआई से सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की बैठक की जानकारी नहीं मिल सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2018 को हुई कॉलेजियम की बैठक की जानकारी सार्वजनिक करने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने RTI अधिनियम के तहत विवरण का खुलासा करने की मांग को ठुकरा दिया। कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि कालेजियम की बैठक की जानकारी आरटीआई के दायरे में नहीं आती है।

याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसका अस्थायी निर्णय सार्वजनिक डोमेन में नहीं लाया जा सकता है। बता दें कि वर्ष 2018 में हुई बैठक का विवरण मांगने के लिए कोर्ट में याचिका डाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका में कोई दम नहीं है और इसे इसलिए खारिज किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम की बैठक में जो भी चर्चा हुई है वह सार्वजनिक डोमेन में नहीं लाई जाएगी और बैठक के केवल अंतिम निर्णय को अपलोड किए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि कॉलेजियम सिस्टम अच्छी तरह से काम कर रहा है, उसपर कोई टिप्पणी या सवाल उठाना सही नहीं

होगा। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा था कि कॉलेजियम के पहले के निर्णयों के बारे में टिप्पणी करना सेवानिवृत्त जजों के लिए फैशन बन गया है, लेकिन हम पूर्व जजों के बयान पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। बता दें कि आरटीआई एक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज ने दिल्ली हाईकोर्ट में कालेजियम की बैठक की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने ठुकरा दिया था। अब अंजलि ने उसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2018 में हुई कॉलेजियम बैठक में हाईकोर्ट के दो मुख्य न्यायाधीशों को पदोन्नति की सिफारिश करने के निर्णय को सार्वजनिक करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसपर याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह निर्णय 10 जनवरी 2019 को पारित हुआ था, जिससे पता चलता है कि 2018 की बैठक में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया था।

महिला ने पारिवारिक विवाद में अपनी 2 बेटियों को लगा दी आग

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में आज सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वहां के कोलार जिले के मुलाबागिलु में एक ज्योति नाम की महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी 2 लड़कियों को

आग के हवाले कर दिया। यहां तक की उसकी एक बेटी केवल 6 साल की थी। मामले का पता लगते ही पुलिस ने ज्योति को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सभी लोग आंध्र प्रदेश के रामसमुद्रम में कुरुबनहल्ली के रहने वाले हैं। महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी बेटियों को आग के हवाले कर दिया। उसकी 6 साल की बेटी की तो मौत ही हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गई और उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार महिला भी खुद को आग लगाने वाली थी लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे रोक लिया।

69000 सहायक शिक्षक भर्ती : आरक्षण मामले में फैसला सुरक्षित, अभ्यर्थियों को दोहरा आरक्षण देने का आरोप

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षित वर्ग की 19000 सीटों पर आरक्षण के मुद्दे पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की एकल पीठ के समक्ष इस मामले में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई। अब कोर्ट इन पर फैसला सुनाएगा।

याचियों का आरोप है कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) तथा सहायक अध्यापक परीक्षा में अंकों में छूट देकर दोहरा आरक्षण दिया जा रहा है। इसको लेकर अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने याचिका दाखिल कर अपने अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी के माध्यम से बहस की। जिस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि अध्यापक पात्रता परीक्षा एक अर्हता परीक्षा है तथा इसमें दी

गई अंकों की छूट या आरक्षण सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा के चरण में लागू नहीं होते हैं। यह उस परीक्षा का भाग नहीं है। इसके जवाब में याचियों के अधिवक्ता ने कहा कि जब अध्यापक पात्रता परीक्षा सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का भाग नहीं है तो फिर इन्हें अध्यापक पात्रता परीक्षा में अंकों में छूट आरक्षण के आधार पर क्यों दी जाती है? इस पर सरकारी अधिवक्ता ने कहा कि इस भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को डबल रिजर्वेशन नहीं दिया जा रहा है। बल्कि यह भर्ती बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 तथा आरक्षण नियमावली 1994 के तहत की जा रही है। ऐसे में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों द्वारा डबल रिजर्वेशन पर दाखिल की गई याचिकाओं का कोई महत्व नहीं है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया। साथ ही कहा कि हफ्ते भर में पक्षकारों के अधिवक्ता अपनी लिखित बहस दाखिल कर सकते हैं।

वैश्विक उद्योग जगत के लिए बेहतरीन मंच होगा यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ स्टार्टिंग बिजनेस के शानदार माहौल से प्रभावित ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान औद्योगिक दल ने उत्तर प्रदेश में विविध सेक्टरों में निवेश की संभाववनाओं पर चर्चा की, साथ ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में सहभागिता के लिए उत्साह भी जताया। उत्तर प्रदेश आगमन पर प्रतिनिधिमंडल का अभिनन्दन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत सुखद है कि आज जबकि उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल जर्मनी में औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों के साथ उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा कर रहा है, वहीं ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी हाई कमिश्नर सारा स्टोरे के नेतृत्व में एक औद्योगिक निवेशकों का समूह उत्तर प्रदेश के औद्योगिक माहौल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने प्रदेश की राजधानी में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार 10 से 12 फरवरी, 2023 तक लखनऊ में एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रही है। राज्य में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के लक्ष्य के साथ हमारा प्रयास है कि राज्य में उपलब्ध असीम व्यावसायिक अवसरों से देश और दुनिया लाभान्वित हो सके। यह इन्वेस्टर्स समिट वैश्विक औद्योगिक जगत को आर्थिक विकास में सहयोग करने के लिए एक इंटिग्रेटेड मंच प्रदान करने में उपयोगी सिद्ध होगा। ऑस्ट्रेलिया के उद्यमियों/निवेशकों का सहयोग इस समिट को नई ऊंचाई तक ले जाने में उपयोगी होगा। कहा कि लगभग 250 मिलियन करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत में सबसे बड़ी आबादी का प्रदेश है। यह भारत का हृदय स्थल है। यहां की उर्वर भूमि इस प्रदेश की समृद्धि का मूलाधार है। हम भारत में खाद्यान्न उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं।

राजस्थान में फिर पोस्टर विवाद, कार्यकर्ता का आरोप-पायलट के पोस्टर फाड़े और जलाए गए

जयपुर। गुजरात, हिमाचल में विधानसभा चुनाव और सरदारशहर में उपचुनाव निपटने के बाद एक बार फिर राजस्थान में गहलोत बनाम पायलट का माहौल बनने लगा है। पहले पायलट समर्थक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट कर गुजरात हार का ठीकरा गहलोत पर फोड़ा। अब अलवर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी व पूर्व मंत्री सचिन पायलट के पोस्टर फाड़ने का मामला सामने आया है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता संतराम पटेल ने अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मालाखेड़ा के आसपास कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व मंत्री सचिन पायलट के पोस्टर फाड़ने का आरोप लगाया है। इसको लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता ने आलाकमान को शिकायत भेजी है। संतराम पटेल ने कहा कि मालाखेड़ा के आसपास राहुल गांधी और सचिन पायलट के पोस्टर और कुछ हॉर्डिंग्स लगवाए थे। जिनको रात को फाड़ दिया

गया। यहां तक की कुछ पोस्टर कुछ जला दिए गए। पायलट समर्थकों का कहना है कि यह औछी हरकत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। कार्यकर्ता अपने साथ सबूत के तौर पर जले पोस्टर भी लेकर आए। कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि पोस्टर में राहुल गांधी और सचिन पायलट की फोटो प्रमुखता से लगवाई गई थी। इसलिए किसी नेता या किसी और के इशारे पर ये पोस्टर फाड़े गए और होर्डिंग्स हटा दिए गए। राहुल गांधी और सचिन पायलट युवाओं के नेता है। ऐसे पोस्टर फाड़ कर कार्यकताओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है। बता दें कि इससे पहले भी अशोक गहलोत और सचिन पायलट के पोस्टर और हॉर्डिंग्स को लेकर विवाद हो गया था। झालावाड़ में भारत जोड़ो यात्रा की स्वागत में पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए थे। जिनमें राहुल गांधी और सचिन पायलट नजर आ रहे थे लेकिन गहलोत की तस्वीर नहीं लगाई गई थी। उसके बाद पायलट समर्थकों ने भी गहलोत गुट पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पायलट के पोस्टर को हटवा दिया है।

पति-पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, अलग अलग मिला दोनों का शव- जांच में जुटी पुलिस

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगल धूसड़ में शुक्रवार की सुबह एक मकान के कमरे में पत्नी व बाहर पति का शव मिला। दोनों का शव अलग-अलग मिलने के चलते सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। जंगल धूसड़ के भट्ठा कालोनी में रहने वाले संजय निषाद ने बताया कि 25 नवंबर को पति-पत्नी के रूप में महिला व पुरुष ने किराये पर कमरा लिया था। उन्होंने किराये की रकम 15 सौ रुपये नगद व आधार कार्ड एक सप्ताह बाद देने की बात कही थी, जो अभी मिला नहीं था। सुबह दोनों का शव अलग-अलग मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची तो छानबीन की। इस दौरान पुलिस को मौके से श्रम कार्ड मिला है, जिसमें दोनों की पहचान महराजगंज जिले के निवासी के रूप में हुई है। बरामद दस्तावेजों के आधार पर मृतकों की उम्र 35 व 30 साल बताई जा रही है। पुलिस को कमरे से दो मोबाइल, सल्फास का खाली पैकेट व एक डायरी मिला है।

हिमाचल में सीएम कौन?: विधायक दल की बैठक से पहले प्रतिभा समर्थकों का हंगामा, बघेल के सामने की नारेबाजी

शिमला। कांग्रेस विधायक दल की बैठक से पहले शिमला में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व सांसद प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने हंगामा कर दिया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने समर्थकों ने होटल सिसिल के बाहर नारेबाजी कर दी। इससे माहौल गरमा गया। वरिष्ट नेताओं को समर्थकों को समझाकर माहौल शांत किया। हिमाचल प्रदेश में नई सरकार का गठन करने के लिए कांग्रेस के दिग्गज नेता राजभवन पहुंच गए हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार के गठन का दावा करेंगे। इससे पहले हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हिमाचल कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला शिमला पहुंचे। शाम पांज बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में कांग्रेस के विधायकों से बैठक करेंगे। तीनों दिग्गज नेता राजधानी शिमला के होटल रेडिसन में रुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने तीनों का शिमला पहुंचने पर स्वागत किया। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और नादौन से कांग्रेस विधायक सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पहले मीडिया

के लोग मुझसे एक ही सवाल पूछते थे कि हिमाचल में कांग्रेस किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। मैंने कहा कि यह सामूहिक नेतृत्व में किया जाएगा। विचारधारा सर्वोच्च है और पद बाद में आता है। हमारे पास एक मुख्यमंत्री होगा। चुनाव लड़ने वालों को ही हाईकमान मुख्यमंत्री बनाएगा। हरोली से कांग्रेस विधायक मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और यहां कोई बिका हुआ नहीं है। शिमला जाते समय सोलन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि थोड़ी देर में विधायक दल की बैठक है। उसमें पार्टी के प्रभारी भी आ रहे हैं। बैठक में तय हो जाएगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा। सुक्खू के साथ विधायक होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह पार्टी के सीनियर लीडर हैं और वह कहीं नहीं गए हैं। वह भी बैठक में पहुंच रहे हैं। कहा कि जनता ने उन्हें पूर्ण बहुमत दिया है अब जनता के मत का मान रखा जाएगा। हालांकि उनके सीएम बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पांच साल पहले उन्हें विपक्ष के नेता का जिम्मा दिया गया था और वह सबको साथ लेकर चले और प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

राजद के पूर्व विधायक ने नीतीश को ललकारा कहा- नैतिकता बची है तो इस्तीफा दीजिए

पटना। कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा से हार मिलने के बाद महागठबंधन में एक बार फिर दरार पड़ती दिख रही है। राजद के हाथ से विनिंग सीट निकल गई, जिसके कारण जदयू पर पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं का गुस्सा फूट पड़ा है। अब कुढ़नी के पूर्व विधायक अनिल कुमार सहनी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस हार का जिम्मेदार ठहराया है। कुढ़नी से राजद के पूर्व विधायक अनिल कुमार सहनी ने शुक्रवार को कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'नैतिक आधार' पर इस्तीफा दे देना चाहिए। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए अनिल सहनी ने कहा कि कुढ़नी में महागठबंधन की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार की हार हुई है। जदयू के गैर-ईबीसी उम्मीदवार को ईबीसी (अत्यंत पिछड़ा वर्ग) सीट के लिए चुना गया था। हमें जो वोट मिला वह उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के कारण था। नीतीश कुमार राजद की एक सीट हार गए। कुढ़नी की जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। अनिल सहनी ने कहा कि अगर नीतीश कुमार में थोड़ी भी नैतिकता बची है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद सौंप देना चाहिए। विदित हो कि साल 2020 के विधानसभा चुनाव में कुढ़नी सीट पर राजद उम्मीदवार अनिल कुमार सहनी की जीत हुई थी। मगर भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते राजद के अनिल सहनी को विधायकी से बर्खास्त कर दिया गया, जिसके कारण उपचुनाव की नौबत आ गई। ऐसे में सत्तारूढ़ महागठबंधन के सामने इस सीट को बचाने की चुनौती थी। गौरतलब है कि आठ दिसबंर को कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव के नतीजे घोषित हुए, जिसमें भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है। भाजपा के उम्मीदवार केदार प्रसाद गुप्ता ने महागठबंधन समर्थित जदयू उम्मीदवार को 3632 मतों से पराजित किया।

संपादकीय

चुनाव और चुनौतियां

आम आदमी पार्टी वहां सबसे पहले चुनाव प्रचार में जुट गई थी और लोगों का शुरूआती रुझान उसकी तरफ दिख भी रहा था। फिर यह भी आंकड़ा बार-बार दोहराया जा रहा था कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों से वहां भाजपा की सीटों में कमी और कांग्रेस की सीटों में बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। इसलिए इस बार नतीजे भाजपा के खिलाफ जाने के कयास लगाए जा रहे थे। मगर भाजपा ने इस चुनाव में सारे कयासों को पटखनी देते हुए अभूतपूर्व विजय हासिल की है। विश्लेषक इसके पीछे जो भी कारण मानते हों, पर हकीकत यह है कि भाजपा ने न सिर्फ डेढ़ सौ से ऊपर सीटें अपने कब्जे में की है, बल्कि इसमें पहले की तुलना में उसका मत प्रतिशत भी बढ़ा है। जाहिर है कि वहां भाजपा पर लोगों का भरोसा कमजोर नहीं हुआ है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा को जरूर कुछ अधिक संघर्ष करना पड़ा, मगर वहां उसे शिकस्त इसलिए नहीं खानी पड़ी कि कांग्रेस ने उससे बेहतर प्रदर्शन किया या उसके पास बेहतर चुनावी मुद्दे थे। बल्कि इसलिए संघर्ष करना पड़ा कि भाजपा ने वहां शुरू से ही अपनी रणनीति अच्छी तरह नहीं बनाई थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कामकाज से लोग संतुष्ट नहीं थे, मगर केंद्रीय नेतृत्व ने उनकी जगह किसी और को कमान सौंपने के बजाय उन्हें कार्यकाल पूरा करने दिया, जबकि गुजरात में पूरा मंत्रिमंडल ही बदल दिया था। फिर टिकट बंटवारे के समय प्रत्याशियों के चुनाव में ठीक से समीकरण तय नहीं किया गया। कई कद्दावर नेताओं के टिकट काट दिए गए, जिससे नाराज होकर वे बागी हो गए। वे निर्दलीय मौदान में उतरे और भाजपा का नुकसान कर गए। जिन सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है, उसमें मतों का अंतर बहुत कम है। इससे भाजपा दावा कर सकती है कि हिमाचल में भी उसका जनाधार कमजोर नहीं हुआ है। मगर जनतंत्र संख्याओं का खेल है और इस खेल में कांग्रेस विजयी हुई है। दिल्ली में कहने को नगर निगम का चुनाव था, मगर वह भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच इस कदर मूंछ की लड़ाई बन चुका था कि पूरे देश की उसमें दिलचस्पी बनी हुई थी। आखिर आम आदमी पार्टी ने उसमें बहुमत हासिल कर लिया। मगर भाजपा का प्रदर्शन भी निराशाजनक नहीं कहा जा सकता। सौ से ऊपर सीटें आईं। जिन सीटों पर उसे हार मिली उन पर मतों का अंतर बहुत कम देखा गया। मगर इन तीनों चुनावों में जिस तरह भाजपा को मेहनत करनी पड़ी, उससे स्पष्ट हो गया कि ये चुनाव उसके लिए आसान नहीं थे। जबकि हर जगह मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस बहुत ढीले-ढाले ढंग से मैदान में उतरी थी। उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में भी भाजपा को ज्यादातर जगहों पर पटखनी मिली। इसलिए ये चुनाव एक तरह से भाजपा के लिए संकेत हैं कि उसका पहले वाला जादू बरकरार नहीं रह गया है।

नियुक्ति का न्याय

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बात राज्यसभा में कही। जाहिर है, सरकार ने कालेजियम प्रणाली को समाप्त करने को लेकर एक बार फिर कमर कस ली है। हालांकि पिछले कार्यकाल से ही वर्तमान केंद्र सरकार इस प्रणाली के खिलाफ रही है। उसका तर्क है कि कालेजियम प्रणाली के तहत ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात होता और भाई-भतीजावाद चलता है। सरकार चाहती है कि जिस तरह तमाम विभागों और संस्थानों में सर्वोच्च पदों पर नियुक्तियां वह खुद करती है, उसी तरह न्यायाधीशों की नियुक्ति भी उसी की मर्जी से हो। मगर सर्वोच्च न्यायालय इसे राजनीतिक दखलअंदाजी के रूप में देखता है। वर्षों तक ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति केंद्र के फैसले से होती रही, मगर देखा गया कि उसमें सरकार अपने करीबी लोगों को तरजीह देती है, इसलिए कालेजियम प्रणाली लागू की गई। तब तर्क दिया गया कि चूंकि न्यायाधीश निचली अदालतों के न्यायाधीशों और वकालत कर रहे लोगों की प्रतिभा और क्षमता को बहुत नजदीक से जानते हैं, इसलिए उनमें से जज के रूप में चुनाव करने में उन्हें अधिक आसानी होगी। उसमें भी अंतिम निर्णय सरकार को ही लेना होता है, मगर वह एक तरह से चुने गए नामों पर अपनी स्वीकृति देने का होता है। हालांकि कुछ वर्षों बाद कालेजियम प्रणाली पर भी सवाल उठने शुरू हो गए कि वह अपने करीबी लोगों को ही उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भेजती है। इस आधार पर सरकार ने कालेजियम प्रणाली को समाप्त कर राष्ट्रीय न्यायिक आयोग गठित करने संबंधी विधेयक संसद में पेश किया, जिसे सभी दलों ने आम सहमति से पारित कर दिया था। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उसे संविधान की मंशा के खिलाफ मानते हुए रद्द कर दिया। तभी से यह तनातनी बनी हुई है और रह-रह कर सार्वजनिक रूप से उभर आती है। निस्संदेह ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति का मामला न्याय-व्यवस्था की साख से जुड़ा है। उच्च और उच्चतम न्यायालय के प्रति देश के लोग इंसाफ के लिए बड़े भरोसे के साथ देखते हैं। हालांकि अधिकांश मामलों में ऊपरी अदालतों ने अपनी साख कायम रखी है और संविधान के प्रति उसकी निष्ठा प्रकट होती है। मगर कुछेक मामलों में अगर उदाहरण दिए जाते हैं कि जज का बेटा ही सर्वोच्च न्यायालय का जज बनता है, तो इस तरह के आरोप से मुक्त होने की जवाबदेही भी खुद सर्वोच्च न्यायालय पर आ जाती है। मगर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि न्यायालयों में राजनीतिक दखलअंदाजी से नियुक्तियां होंगी, तो उनके निष्पक्ष होने को लेकर सवाल उठते रहेंगे। किसी भी न्याय-व्यवस्था को इस तरह संदेह और सवालों के घेरे में डाले रखना उचित नहीं माना जा सकता। मगर जिस तरह सरकार और न्यायालय के बीच तनातनी चल रही है, वह भी ठीक नहीं। इसमें जल्दी ही बीच का कोई सर्वमान्य रास्ता निकलना चाहिए।

एक नजर इधर भी : जहां संकेत मात्र से फट गई धरती और समा गए बाबा

(गौरीशंकर पाण्डेय सरस) मान्यता है कि विधाता की श्रृष्टि संरचना में चौरासी लाख योनियां हैं। जिसमें सद्कर्म के आधार पर मनुष्य योनि सर्वोत्तम योनि मानी गई है। मनुष्य कर्म प्रधानता के आधार पर ही अपना यश वैभव और सद्विचार दूसरों के लिए अविस्मरणीय बना देता है। सबकुछ के बावजूद पूर्व जन्म के संस्कार जो सद्कर्म, सद्विचार और सद्प्रियवाणी से ओतप्रोत होते हैं उसकी दशा और दिशा स्वयं समय और प्रकृति का आपसी सामंजस्य तय करता है। लाख कोशिशों के उपरांत वही होता है जिसको समय चाहता है।

श्रद्धा और विश्वास का केंद्र बना हरदासपुर (कला) का परासर धाम

और प्रकृति साथ देती है।हर व्यक्ति का जीवन अनुरक्ति और विरक्ति के मकड़जाल में उलझा रहता है। उचित समय पाकर जब अपना रंग दिखाना शुरू करता तो मनुष्य उसका दास बन जाता है।वैसे सजीव देहधारी परिस्थितियों का दास माना ही जाता है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद मुख्यालय से पैंतीस कि०मी०दूर दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के हरदासपुर कला ग्राम पंचायत स्थित परासर ब्रह्म बाबा का स्थान आज भी लोगों के लिए श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है। कहा जाता है की बाबा परासर गांव के निकट बहने वाली नदी पार गैर जनपद मऊ के रैकवारेडीह गांव के ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए थे। पारिवारिक माहौल भक्तिमय था। भगवद्भक्ति में आस्था और विश्वास का अद्भुत मिश्रण लोगों के बीच चर्चा का बिषय था। कथा वाचन और भगवद्भक्ति ही पारिवारिक जीवन की मूल पृष्ठभूमि थी। माता पिता के दाम्पत्य जीवन में लंबे अंतराल के बाद पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। जिनमें से परासर एक थे।परासर के जन्म से माता पिता के खुशी का ठिकाना नहीं था। तेज पूर्ण मुखमंडल, कुशाग्रबुद्धि,बालक की स्मरण शक्ति सबके सब अपने आपमें अद्वितीय थे। परंतु पुत्र की चेतना जागृति ने खुद का भविष्य तय करने में अपनी महति भूमिका निभाई इसे झुठलाया नहीं जा सकता। बालक की सांसारिक मोह माया विरक्ति ने माता पिता के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी।बाध्य होकर माता पिता ने गृहस्थ धर्म के अनुपालन में वैवाहिक सूत्र में बालक परासर को बांधने का भरपूर प्रयास किया। परन्तु बालक परासर वैवाहिक संस्कार के बंधन में बंधने को राजी नहीं थे।एक दिन अपने भावों विचारों से मेल नहीं खाने वाले पारिवारिक कुचेष्टा से खिन्न होकर अंधेरी निशा में घर वालों से चोरी छिपे घर से निकल गए और पास में बह रही नदी भैंसही को पार कर गाजीपुर जनपद की सीमा में प्रवेश कर गए। जनश्रुतियों के अनुसार उस समय बालक परासर की उम्र सोलहवें बसंत में प्रवेश कर रही थी। विदित हो कि आज से करीब तीन सौ साल पहले उक्त क्षेत्र गहन जंगल से भरा पड़ा था। जहां हिंसक जानवरों का वर्चस्व था। त्याग और समर्पण के राह पर निकले बालक परासर को साधना सिद्धि के लिए जिस स्थान की खोज थी।वह मिल ही गया।हरदासपुर कला क्षेत्र के निकट विकट गहन जंगल के बीच सघन पलास वृक्ष के झुरमुट का वह भूभाग जो दिन में भी गहन अन्धकार का सा अहसास करा रहा था।परासर और पलास का अद्भुत मिलन संयोग ही था।मन ने निश्चय किया और परासर ने वहीं पद्मासन लगाकर अपनी सिद्धि हेतु साधना में लग गए। महीनों तक निराहार और नीराजल रहने के चलते परासर की शारीरिक शक्ति क्षीण होती जा रही थी की एक दिन पास के गांव की रहने वाली अधेड़ उम्र की ग्वालीन रोज की भांति दही बेचने उसी जंगल के संकरे रास्ते से जा रही थी कि अचानक पलास वृक्ष के सघन झुरमुट में नजर पड़ते ही चौंक गई।पास जाकर देखा तो एक कृसकाय व्यक्ति आसन जमाए बैठा था। सीधी साधी साहसी महिला के समझ में आया कि यह व्यक्ति भूख प्यास से पीड़ित है।दया दिखाते हुए उसने अपनी दधी खाने का आग्रह किया। उस दिन संयोगवश कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि थी।परासर ने महिला की दयालुता और पुत्रवत स्नेह का अहसास कर आग्रह पूर्ण निवेदन स्वीकार करते हुए थोड़ी सी दधी खाने के बाद उक्त महिला से अपनी दधी बेंच डालने का आदेश देते हुए चले जाने को कहा।संशंकित

भाव से महिला अपनी बची खुची दधी बेचने पास के गांव में चली गई। उक्त महिला को आश्चर्य तब हुआ जब रोज की तरह खत्म होने वाली दधी उस दिन खत्म होने का नाम नहीं ले रही थी।सुबह से शाम तक घूमकर दधी बेचने के बाद भी उतनी ही दधी घर तक वापस आगई। आसपास के गांव पुरवों में आश्चर्य का ढिंढोरा पीटा जाने लगा।शोहरत फैलते देर नहीं लगी। दर्शन करने आने वालों का हुजूम सा उमड़ने लगा।धीरे धीरे आश्चर्य किंतु सत्य भरी खबर परासर के पैतृक गांव पहुंच कर माता पिता सहित परिवार को उद्वेलित कर दिया।बालक परासर के चोरी छिपे गृह त्याग से दुखी माता पिता काफी दिनों तक दूरदराज के सगे संबंधियों से परासर की खोजबीन कर हार मान चुके थे की अचानक ऐसी खबर पाकर स्वयं चलकर बाबा से अपने बालक के बिषय में कुछ पूछने का मन बनाए। परन्तु यह क्या मौके का दृश्य तो अपनत्व में बदल गया।जिसकी तलाश काफी दिनों से थी वह तो घर से महज कुछ ही दूरी पर सहसा मिल गया। लोगों ने घर वापस चलने का आग्रह किया। परंतु परासर ने घर जाना स्वीकार नहीं किया।लोग निराश होकर खाली हाथ लौट गए।दिन बीतता गया और परासर के योग सिद्धि में अद्भुत कहानियां समाहित होती गईं। किंवदन्तियां और दंत कथाएं तो भक्त श्रद्धालुओं के श्रद्धा और विश्वास में यहां तक प्रगाढ़ता पैदा करती हैं की लोगों का अटूट विश्वास टूटने का नाम नहीं लेता। बताया जाता है की परासर बाबा के तप बल से चीढ़ खाई बगल से बहने वाली भैसही नदी तट की एक अदृश्य प्रेतात्मा एकबार चांदनी बरसाती अर्ध रात्रि में पशु का वेष धारण कर साधना स्थल पर सघन छांव के रूप में उपस्थित वृक्षों को तहस नहस करने पर आमादा हो गई। परन्तु बाबा के तपोबल से सहम कर लौट गई। चर्चा के मुताबिक उस दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि थी।कुछ दिन के अंतराल के बाद हो रही हल्की रिमझिम बारिश के बहाने घासफूस की बनी पर्ण कुटिया को अपने तीव्र धारा से बहाने के वास्ते घुटना भर पानी वाली पास की भैंसही नदी बाबा के सोहरत की परीक्षा लेने अपनी विशाल जलराशि लिए कुटिया के अंदर तक जा पहुंची। कुटिया के भीतर से पानी बहाव के साथ साथ पूजन सामग्री और पूजन पात्र को बाहर आते देख संध्या वंदन की तैयारी में लगे ब्रह्मचर्य बाबा परासर का ध्यान पड़ते ही जलप्रवाह के साथ बह रहे पूजन पात्र और पूजन सामग्री जहां थे वहीं थम्ह गए।तप के तेज का यह कौतुक देख विकराल रूप धारण करने वाली भैंसही नदी अपनी उग्र जलराशि के साथ शांत होगई और बाबा परासर के तेज प्रताप से प्रभावित होकर चरण-स्पर्श कर पुनः वापस लौट गई। जिसकी चर्चा लोगों की जुबान पर है। कहा जाता है कि माता पिता की कोमल भावनाएं एकबार फिर उफान मारने लगी और पुत्र मोह से परेशान होकर शुभचिंतकों के साथ कुटिया पर पधारे और घर वापसी का दबाव बनाने लगे।बालक परासर ने अपने माता पिता के हठ तथा अपनी दृढ़ निश्चयता के बीच प्राण त्यागना ही उचित समझा। अंततोगत्वा बाबा परासर के संकेत मात्र से पृथ्वी फट गई और बाबा असमय सदा सदा के लिए अंतर्ध्यान हो गए। जिनके प्राणांत स्थल पर सर्व प्रथम मिट्टी का प्रतीक बनाकर पूजन वंदन किया गया। जहां फुल्लन दास महाराज सबसे पहले पुजारी के रूप में जाने गए। कहा जाता है कि फुल्लन दास महाराज के पूजन सामग्री और अन्य खर्च स्वयं परासर ब्रह्म बाबा ही वहन कर दिया करते थे। यही की परासर बाबा की प्रतीक मिट्टी के चबूतरे के पास से कुछ अर्थ प्रति दिन स्वयं सुलभ हो जाया करता था। आज जहां बाबा का मिट्टी प्रतीक पूजनीय स्थल था उसका सुंदरीकरण होने के साथ ही धाम पर कई मंदिरों जैसे श्रीराम जानकी मंदिर ,शिव मंदिर, हनुमान मंदिर फुल्लन दास की समाधि का निर्माण कराया गया है। आगे भक्त श्रद्धालुओं की मंशा अनुसार देवों में प्रथम पुज्यनीय भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित किए जाने की भी चर्चा है। भक्त श्रद्धालुओं द्वारा उक्त स्थल को पर्यटक और आकर्षक स्थल के रूप में विकसित किए जाने का प्रयास जोरों पर है।लोगों के बीच आदरणीय परासर ब्रह्म बाबा का धाम अपने आप में अद्भुत है, जहां धर्म जाति की सारी सीमाएं टूटती नजर आती हैं। लोग अपनी अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते रहते हैं। फाल्गुन मास की शिवरात्रि और कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि पर मेला का भी आयोजन किया जाता है।

कुदरती सहजता में बसी खुशियां

मन बीमार है, यह बात हमारे यहां हजारों गांव-कस्बे में सहज बोधगम्य है भी नहीं। होता यह है कि इस बात को समझने की कोशिश करते-करते कई बार देर भी हो जाती है और फिर तेज दवाओं पर निर्भरता बाद में यह मलाल कराती है कि कहीं न कहीं अपने विचारों में ही खोट है। लौह शरीर में जंग तो हमने खुद ही लगा दी। महान शास्त्रीय नर्तक और विद्वान पंडित बिरजू महाराज अपने अंतिम दौर में भी सक्रिय रहे। वे अपने उद्बोधन में वे एक बात हमेशा कहते हैं कि उनकी लंबी उम्र और सेहत की चमक-दमक का राज यही है कि वे किसी भी बुरी और अखरने वाली बात को याद नहीं करते, सिर्फ सुंदर पल सहेज कर रखते हैं और साझा भी करते हैं।

यह बात काबिले गौर तो है ही, क्योंकि इस जगत में हर सफल इंसान की यह खासियत होती ही है कि उसका नजरिया एकदम साफ और निरपेक्ष होता है। यानी एक सकारात्मक सोच के साथ वे जीवन को काटने में नहीं, जीने मे यकीन करते हैं। वैसे ही जैसे एक कल-कल बहती नदिया अपने शीतल जल और महत्त्वपूर्ण खनिज के साथ कहीं ठहर नहीं जाती, अविरल बहती है। तभी तो वह सरिता है। नदी की तरह सफल इंसान यह बखूबी जानते हैं कि अगर हम निरंतर गतिमान हैं, तभी हमारे पल भी लय मे निबद्ध होंगे। गिलास को आधा खाली नहीं, आधा भरा देखने वालों की एक आदत होती है कि वे खुश रहते हैं, खुद पर ध्यान देते हैं और हर निर्णय अपनी क्षमता और कामना को भली-भांति तोलकर ही लिया करते हैं। किसी दार्शनिक ने कहा भी है कि हमारा जीवन बस हमारा नहीं है, यह समाज का स्वरूप निर्धारित करता है। मिसाल के तौर पर भूटान, म्यांमा आदि देशों में कुछ गांव बहुत खुशहाल प्रमाणित हुए हैं। यह शोध यूनिसेफ सहित दर्जनों वैश्विक संस्थानों द्वारा किए गए। यह तभी हो सका, जब वहां हर निवासी अच्छी सोच के साथ जीवन का स्वागत कर रहा है। इसलिए हमेशा अपनी राई जैसी परेशानी को पहाड़ जैसी छवि मे बदलकर दिन-रात दुखी रहने वालों को भी कोशिश करनी चाहिए कि जुनून के साथ जीना ही जिंदगी है और इसी में अच्छी सेहत, लोकप्रियता, लंबी उम्र के रहस्य समाहित हैं।

भगवान महावीर के अनुयायी हैरान रह जाते जब उनकी दिनचर्या को देखते। जितना समय सबको मिलता था, महावीर उतने समय में बहुत काम कर लेते और एकदम सामान्य लगते थे। सुबह से शाम उनका सहज आचरण देखते तो सभी अनुयायी हैरत में पड़ जाते। एक सुबह प्रश्न काल के समय महावीर से पूछा गया कि गुरुवर जीवन में कैसे चलें, कैसे ठहरें, कैसे सोएं, कैसे खाएं और कैसे बोलें, जिससे पाप कर्म का बंधन न हो। इसके उत्तर में महावीर ने यह नहीं कहा कि तुम चलो मत, ठहरो मत, बैठो मत, सोओ मत, खाओ मत और बोलो मत। यह कहा कि तुम चलो, ठहरो, बैठो, सोओ, बोलो, पर हर पल सतर्क रहो कि बस यह जीवन ही जीना है। जो बीत गया वह लौटेगा नहीं। तब तुम जीवन को अधिक सजगता और प्रसन्नता से महसूस कर सकोगे। एक बार चौराहे की लाल बत्ती पर गाड़ी रुकी और सामने ही रंग-बिरंगे गुब्बारे देखकर एक बच्चा गाड़ी के भीतर मचलने लगा। मां ने तीन-चार गुब्बारे खरीद लिए। तभी एक किशोर की आवाज भी आई, ह्यरूमाल खरीद लीजिए, गुब्बारे की कीमत मैं दे दूंगा।ह्न मगर जरूरत नहीं थी। महिला ने मना कर दिया। गुब्बारे वाले ने अभी-अभी कमाए सारे रुपयों से उसके तीन रूमाल खरीद लिए। वह महिला उस साधारण में यह दया, करुणा, आत्मीयता देखकर चकित रह गई। फिर उसने दोबारा दोनों को बुलाया, कुछ रूमाल और दो गुब्बारे ज्यादा खरीद लिए। वह महिला उस गरीब के प्रसन्न मन और उसके इस स्वभाव से पैदा हुए जीवन दृष्टिकोण को देखती रह गई। सचमुच यह प्रसन्न मन कुदरत या प्रकृति की उदारता का प्रतीक है। इसे किसी भी तरह पाना चाहिए और सहज जीवन को अपना कर्म तथा खुशी का उद्गम मान लेने से हृदय पवित्र होता है, मेधा बढ़ती है, मस्तिष्क प्रफुल्लित होता है।

एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के सियासी मायने को ऐसे समझिए

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव 2022 में आम आदमी पार्टी की जीत के कतिपय खास सियासी मायने हैं, जो भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और समाजवादी अथवा क्षेत्रीय आधार वाली क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों को बहुत कुछ सोचने पर विवश कर चुके हैं। इस चुनाव परिणाम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उभरते सियासी कद से जहां भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक चुनौती बढ़ने वाली है, वहीं कांग्रेस के सामने अस्तित्व का संकट पैदा हो चुका है, क्योंकि उसका तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और मध्यममार्गी वोट बैंक अब पूरी तरह से आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हो चुका है। यही नहीं, यदा कदा दिल्ली नगर निगम की चुनावी राजनीति में सिर उठाने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) तो अब बिल्कुल साफ हो चुकी है।

आपको पता है कि दिल्ली का मतलब होता है लघु भारत यानी मिनी इंडिया। यहां जो कुछ होता है, उससे देर-सबेर पूरा भारत प्रभावित होता है। इसलिए यहां पर पिछले एक दशक में आम आदमी पार्टी को जो मजबूती मिली है, उससे इस बात के प्रबल आसार हैं कि एक राजनीतिक पार्टी के रूप में देश भर में उसकी स्वीकार्यता बढ़ेगी। दिल्ली के बाद पंजाब की सत्ता मिलना इस बात की पुष्टि करता है।अब उसकी चर्चा गोवा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में भी हो रही है।

भले ही दिल्ली को दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन यहां होने वाली राजनीतिक दिलग्गियां भी किसी से छुपी हुई नहीं हैं। कहना न होगा कि जिस समय देश की राजनीति में कांग्रेस का डंका बज रहा था और दिल्ली की सूबाई सत्ता पर वह पन्द्रह सालों से काबिज थी, नवगठित आम आदमी पार्टी ने अपने मुखिया अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उसे वर्ष 2013 में सत्ता से बाहर कर दिया। उन्होंने यहां पर कांग्रेस और बीजेपी का सुफड़ा साफ कर स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई, जो आजतक चल रही है। बता दें कि कांग्रेस से पहले दिल्ली की सूबाई सत्ता पर बीजेपी ही काबिज थी। और अब लगभग 9 साल बाद एमसीडी चुनाव 2022 में आम आदमी पार्टी ने पिछले 15 साल से दिल्ली नगर निगम की सत्ता पर काबिज बीजेपी को ठिकाने लगाकर स्पष्ट बहुमत से कुछ अधिक सीट हासिल कर चुकी है। खास बात यह कि जब देश और दुनिया में बीजेपी नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की सियासत और चुनावी प्रबंधन का डंका बज रहा है, तब आप नेता अरविंद केजरीवाल द्वारा बीजेपी को नगर

निगम जैसे स्थानीय निकाय के चुनाव में सियासी धूल चटा देना बहुत बड़ी बात है। क्योंकि आपको पता है कि एमसीडी को बचाने के लिए बीजेपी ने तीन हिस्सों में विभाजित दिल्ली नगर निगम का एकीकरण किया, चुनाव में रणनीतिक विलम्ब करवाई, लेकिन पहले से ही चुनावी ताल ठोक रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी को अल्टीमेटम देकर से एमसीडी में मात दे दी, जो कि बहुत बड़ी बात है। यहां की 250 सीटों में से आप को 134, बीजेपी को 104, कांग्रेस को 9 और निर्दलीय को 3 सीटों पर जीत हासिल हुई है।

अब यह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली से उठी आम आदमी पार्टी, एमसीडी फतह के बाद दिल्ली में अब और अधिक मजबूत हो चुकी है। यदि यहां के 7 संसदीय सीटों की बात छोड़ दें तो यहां की तीन राज्य सभा सीटों, दिल्ली विधानसभा और एमसीडी पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। हां, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज यह बात जरूर खल रही होगी कि भले ही उन्होंने कांग्रेस की तरह ही बीजेपी को हराने का अपना ख्वाब पूरा कर लिया, लेकिन जिस तरह से दिल्ली विधानसभा में वह कांग्रेस का सुफड़ा साफ करने में सफल रहे थे, वैसी उल्लेखनीय सफलता एमसीडी चुनाव में उन्हें बीजेपी ने नहीं मिलने दी। बीजेपी ने 7 मुख्यमंत्री एमसीडी चुनाव में उतारे थे, इसलिए उसकी इज्जत बच गई। यानी कि बीजेपी ने भी तगड़ी फील्डिंग करते हुए उन्हें और अधिक रन बनाने नहीं दिया। आपको याद होगा कि पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में भी आप नेता अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस का सुफड़ा साफ करते हुए वहां अपनी पार्टी को दो तिहाई बहुमत दिलवाकर भगवंत सिंह मान की सरकार बनवाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी एमसीडी चुनाव जितवाने में अपनी सारी ताकत झोंक रखी थी, क्योंकि दिल्ली में पंजाब और चंडीगढ़ के ढेर सारे लोग रहते हैं।

गौरतलब है कि एमसीडी चुनाव परिणाम का असर अब आम चुनाव 2024 की रणनीतिक तैयारियों के अलावा हरियाणा चुनाव 2023 पर भी पड़ेगा। दिल्ली के बाद पंजाब पर आप के कब्जे ने यह जाहिर कर दिया है कि निकट भविष्य में बीजेपी का मुकाबला आप से ही होगा। यहां पर आप का मतलब आप के नेतृत्व में बनने वाले अखिल भारतीय राजनीतिक गठबंधन से है। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने मौका पड़ने पर समाजवादी, दलितवादी या क्षेत्रीय आधार वाले राजनीतिक दलों से मंच साझा जरूर किया है, लेकिन उन्हें अपना नेता मानने का संकेत कभी नहीं दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम इस बात की गवाही देते आये हैं। यदि सबकुछ ठीक ठाक रहा तो 2024 में पीएम मोदी का मुकाबला सीएम अरविंद केजरीवाल से हो जाये तो कोई हैरत की बात नहीं होगी, क्योंकि रणनीतिक रूप से चाहे कांग्रेस हो या अन्य क्षेत्रीय दल, वो आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की सियासी जिद्द के मुकाबले कहीं नहीं टिकते! आम आदमी पार्टी के कई नेता यह दावा भी कर चुके हैं कि साल 2024 में होने वाला लोकसभा चुनाव मोदी बनाम केजरीवाल होगा। बता दें कि कांग्रेस काफी कमजोर हो चुकी है। लिहाजाइ लोकसभा चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए आम आदमी पार्टी ही देशभर में अपने आपको को तैयार कर रही है।

गाजीपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता चार लुटेरे गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वाट टीम व थाना दुल्लहपुर की संयुक्त टीम द्वारा लूट की घटना का पदार्फाश करते हुए चार लुटेरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है। अभियुक्तों के पास से चार देशी तमंचा, छह जिंदा कारतूस, 02 खोखा कारतूस व चोरी की मोबाइल, नगद 58870 रुपये (अधिलेखित दुल्लहपुर की लूट में 40000 रुपये वना बहरियाबाद से लूटी गई चेन बेचने के बाद प्राप्त रुपये 18870 रुपये) तथा दो मोटरसाईकिल बरामद कर लिया। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में दी गई। बताया कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 08 दस्तावेजों को प्रधान प्रवीण कुमार यादव द्वारा मय हमराह दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के मलेठी तिराहा पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। उसी दौरान स्वाट टीम अतिरिक्त उपनिरीक्षक रामाश्रय राय मय टीम भी मलेठी तिराहे पर आ पहुंचे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि राहगीर पुलिया के पास लूट कांड करने वाले बदमाश, असलहो के साथ, नहर की पटरी से छपरा की तरफ, कोई अन्य लूट की घटना करने के उद्देश्य से मलेठी की ओर आ रहे हैं। इस सूचना पर स्वाट टीम प्रभारी मय हमराह व थाना ग्रेड मय हमराह के साथ एक दूसरे को जागरूक होते हुए बद्दोपुर पुलिया से नहर की पटरी पकड़ते हुए छपरी की तरफ आगे बढ़े। पुलिस टीम को धमार्पुर नहर तिराहा के पास सामने की तरफ से दो मोटरसाइकिल की रोशनी दिखाई दी। निकट आने पर अचानक पुलिस वालों का दावा है कि सामने से आ रहे दोनों मोटरसाइकिल चालक अपने साथियों से पुलिस टीम पर फायर करने को कहे तो वे पुलिस वालों को लक्ष्य बनाकर एक-एक चक्र फायरिंग किए जो थानाध्यक्ष दुल्लहपुर के कान के पास से गुजरी हड़बड़ाहट में गाड़ी से मुड़कर पीछे की ओर भागना चाहे कि आपस में उनकी गाड़ी की टक्कर हो जाने से वे गिर गए उसी दौरान स्वात टीम व थाना दुल्लहपुर पुलिस टीम ने उन्हें घेरकर सावधानी पूर्वक धर दबोचा। अभियुक्तों में गिरफ्तार किए गए राजा चौहान पुत्र चौहान निवासी छपरी थाना दुलहपुर के पास से एक तमंचा .315 बोर में जिंदा कारतूस व एक खोखा और जामा तलाशी से 12200 नगद बरामद हुआ। दूसरा अभियुक्त विपिन पाल पुत्र महेंद्र पाल निवासी अक्षयपुर छीड़ी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर के पास से एक तमंचा .315 बोर, एक जीवित कारतूस व एक खोखा तथा 10500 नागद जीवित हुआ। तीसरे अभियुक्त अभिषेक यादव पुत्र रामाश्रय यादव निवासी महार बुजुर्ग थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर के पास से एक तमंचा .315 बोर व दो जिंदा कारतूस व 7700 नगद बरामद हुए। चौथा बदमाश गुलशन शर्मा बेटा राम अवध शर्मा निवासी इंद्रपुर छिड़ी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर के पास से एक तमंचा .315 बोर व 9600 रुपए नगद व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। सख्ती से पूछताछ पर अभियुक्तों ने बताया कि साहब हम पांच लोगों का एक समूह है जिसमें अभिषेक यादव, विपिन पाल, गुलशन शर्मा, विशाल यादव ने दिनांक 05 दिसम्बर 22 को राजगीर पुलिया के पास अभिषेक यादव व विपिन पाल ने मिलकर एक फाइनेंन्स कर्मी से रुपया से भरा बैग लूटा था। अन्य थाना क्षेत्र में लूट की घटना कार्य करने के संबंध में पूछे गए तो उनके द्वारा बताया गया कि इसके पहले चैन लूटने की घटना थाना बहरियाबाद क्षेत्र में विशाल के साथ मिलकर बनाई गई थी।

भाकपा माले ने निकाली मोदी सरकार के खिलाफ भड़ास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी माले सैदपुर ब्लाक के सक्रिय कार्यकताओं की ब्लाक स्तरीय बैठक खानपुर गांव में जिलाध्यक्ष नंदकिशोर बिंद के आवास पर हुई। बैठक में पार्टी के 11वां महाधिवेशन की तैयारी, के साथ ही गरीबों की जबरिया बेदखली के खिलाफ, बेदखली सम्मेलन कर जनांदोलन तेज करने की रणनीति पर बातचीत हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव रामप्यारे राम ने कहा कि मोदी सरकार की कारपोरेट परस्त नीतियों ने लोगों को गहरे संकट में डाल दिया है और संविधान व लोकतंत्र पर तीखा हमला बोल दिया है मोदी के सत्ता में आने के बाद हिटलर को अपना आदर्श मानने वाले आर एसएसएस भाजपा द्वारा तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर या खत्म किया जा रहा है तथा जनता के हासिल अधिकारों को कुचला जा रहा है वहीं दूसरी ओर लगभग सभी संस्थानों को मैनेज व नियम कानूनों को ठेंगा दिखलाते हुए कुछ मुट्ठी भर कारपोरेट घरानों के हाथों में सारी सम्पतियो खदानों, रेलवे बीमा शिक्षा स्वास्थ्य आदि सौंपा जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक ने आयोजित किया रक्तदान शिविर, मंडलायुक्त वाराणसी ने बैंक की रथयात्रा शाखा में किया नेक मुहिम का शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। एचडीएफसी बैंक ने शुक्रवार को पूरे भारत में अपने 1150 शहरों के 5500 शाखाओं में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उपरोक्त क्रम में वाराणसी में बैंक की मुख्य शाखा रथयात्रा और खजुरी शाखा पर आयोजन किया गया। बैंक द्वारा ये सामाजिक कार्य प्रत्येक वर्ष पिछले 14 वर्षों से अनवरत आयोजित होता आया है,सन 2013 में बैंक के रक्तदान ने गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में कीर्तिमान भी बनाया। इस नेक मुहिम का दीप प्रज्वलन करके वाराणसी मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने शुभारंभ किया और लोगों को प्रेरित किया इस से बड़ी मानवता की सेवा कोई हो ही नहीं सकती,जब आपका रक्त किसी और के जीवन का कारण बनें। मंडलायुक्त ने अपने संबोधन में बैंक की सामाजिक सहभागिता और योगदान की भी प्रशंसा की और कहा की आप सभी के सेवा को हर काशीवासी सराहता है और आपको नेतृत्व से मिले संस्कारों ने आप सभी की एक उत्कृष्ट छवि इस समाज में बनाई है। रक्तदान शिविर का आयोजन बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों मनीष टंडन और प्रदीप शुक्ला के मार्गदर्शन में हुआ, बैंक के अन्य अधिकारीगण, रोहित खन्ना, कमल जैन, कृष्णा मिश्रा, दीपक झा, शारिक हसन ने शिविर का संयुक्त संचालन किया। उक्त अवसर पर बैंक कर्मियों के अलावा बैंक के ग्राहकों ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। सूचना मिलने तक लगभग 500 यूनिट का रक्त सर सुंदरलाल अस्पताल के ब्लड बैंक को सौंपा।

सहायक आयुक्त औषधि नेम चार प्रतिष्ठानों को किया प्रतिबंधित

बलिया। औषधि निरीक्षक, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बताया है कि प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान कमियाँ पायी गयी थी। जिस क्रम में औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों की निरीक्षण आख्या अग्रिम कार्यवाही हेतु सहायक आयुक्त (औषधि), आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ को प्रेषित की गयी थी। सहायक आयुक्त (औषधि), आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़ द्वारा पायी गयी कमियों के सम्बन्ध में कारण बताओं नोटिस प्रेषित की गयी थी। औषधि विक्रय प्रतिष्ठानो द्वारा दिये गये जबाब से संतुष्ट न होने पर सहायक आयुक्त (औषधि) द्वारा औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का लाइसेंस निलम्बित करते हुये क्रय-विक्रय का कार्य तत्काल प्रभाव से प्रतिबन्धित कर दिया गया है।

बसपा के वरिष्ठ नेता राजदेव यादव पत्नी सहित सपा में शामिल

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बसपा के वरिष्ठ नेता राजदेव यादव व उनकी पत्नी अमरावती यादव ने समाजवादी पार्टी में आस्था रखते हुए जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव के समक्ष सैकडों साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया समाजवादी पार्टी सदस्यता ग्रहण के बाद राजदेव यादव ने कहा बसपा अब एक दुकान की तरह हो गयीं है। उसमें कार्यकर्ताओं का कोई सम्मान नहीं वह दुकान की तरह है जो ज्यादा पैसा लेकर जाएगा उसी को सामना मिलेगा बसपा में सबसे ज्यादा कार्यकर्ताओं का शोषण है इसलिए शोषित वंचित वर्ग लड़ाई लड़ना ही मेरा प्राथमिकता था जिससें बसपा भटक गई है अगर इस समय शोषित वंचित का लड़ाई कोई लड़

रहा है तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके कार्य शैली से प्रभावित होकर मैं समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया हूं निश्चित रूप से समाजवादी पार्टी की मजबूती के लिए पूरी ताकत इमानदारी से काम करेगें वहीं लालबहादुर यादव ने कहा समाजवादी परिवार आपके मान सम्मान की रक्षा हमेशा करेगा निश्चित रूप से आप के आने से समाजवादी आंदोलन को बहुत बल मिलेगा मुख्य रूप से श्याम बहादुर पाल, हिसामुद्दीन शाह, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, दीपचंद राम, शकील अहमद, महेंद्र यादव, दिनानाथ सिंह, दीपू श्रीवास्तव, गामा सोनकर, सूर्य भान यादव, राजमूर्ति सरोज सोचन राम विश्वकर्मा मंजूर हसन रियाज आलम आदि लोग उपस्थित रहे।

बहू द्वारा सास को जलाकर मारने के आरोप में बहु दोषमुक्त और भाई रिहा

प्रखर वाराणसी। बहु द्वारा सास को जलाकर मारने के आरोप में बहु दोषमुक्त और भाई रिहा। संक्षेप में घटना का विस्तार इस प्रकार है बरेली के रहने वाले किरण की शादी जून 2013 में शाहजहांपुर के रहने वाले अजय के साथ हुई थी शादी के कुछ समय बाद दहेज के प्रताड़ना को लेकर के कुछ विवाद उत्पन्न हुआ। आरोप था कि किरण अपने भाई अनिल और दो भाइयों के साथ मिलकर के अपनी सास श्रीमती राज बेटी को 25 नवंबर 2013 में मिट्टी के तेल डालकर के आग लगा दी इसके फलस्वरूप करीब 95% जली हुई अवस्था में सास राज बेटी ने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी बहू और उसके तीन भाइयों को मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने का दोषी बताया। न्यायालय ने अपनी कार्रवाई करते हुए बहू के और भाई अनिल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई यह आदेश शाहजहांपुर सत्र न्यायालय से हुआ। जिसके बाद बहू को गर्भवती होने की अवस्था के फल स्वरुप उच्च न्यायालय ने बेल पर रिहा कर दिया गया और उसका भाई अनिल की

बेल खारिज कर दी जो लगभग 8 साल 8 महीने से कारावास में उम्र कैद की सजा काट रहा था। न्यायालय में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विद्वान अधिवक्ता विशाल मोहन गुप्ता द्वारा दलील दी गई की बहु के साथ विवाद दहेज के रूप में था और दहेज की धाराओं में मुकदमा बरेली थाने में इस घटना के पहले ही दर्ज किया जा चुका था। पुलिस ने विवेचना के दौरान बहु किरण के दो भाइयों को नाबालिक होने पर दोषमुक्त करार दे रखा था। हालांकि यह घटना दर्दनाक जरूर थी लेकिन इसे उसी दहेज के मुकदमे का प्रतिउत्तर बताते हुए बहू और उनके तीनों भाइयों को नाम दर्ज किया गया माननीय उच्च न्यायालय ने सभी पक्षों का भलीभांति अवलोकन करते हुए सत्र न्यायालय शाहजहांपुर द्वारा पारित आदेश आजीवन कारावास पर हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्री विशाल मोहन गुप्ता की अपील को सुना और सत्र न्यायाधीश के फैसले को परिवर्तित करके बहु किरण को दोषमुक्त करार दिया एवम भाई अनिल जोकि लगभग 8 वर्ष 8 माह से जेल में था उसे इतनी सजा में रिहा करने का फैसला सुनाया।

जनपदीय चयन/ट्रायल्स वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में आज

बलिया। खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के तत्वावधान में यू0पी0 वालीबाल एसोसिएशन, के समन्वय से प्रदेशीय सब-जूनियर बालक वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 15 दिसम्बर तक डा. क्षेत्रीय खेल कार्यालय, गोरखपुर एवं सब-जूनियर बालिका वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 21 दिसम्बर तक जिला खेल कार्यालय, पीलिभीत में किया जा रहा है। क्रीड़ा अधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरूषोत्तम ने बताया है कि उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आजमगढ़ मण्डल की टीम सब-जूनियर बालक एवं बालिका वालीबाल टीम का चयन किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत जनपदीय चयन/ट्रायल्स 09 दिसम्बर को वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, बलिया में एवं मण्डलीय चयन/ट्रायल्स 10 दिसम्बर को सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, आजमगढ़ में प्रातः 10 बजे से किया जायेगा। जिसमें खिलाड़ियों को पात्रता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र एवं पासपोर्ट फोटो लाना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक दूजे के हुए 342 जोड़े

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सामुहिक विवाह समारोह का आयोजन आर टी आई मैदान (नवीन स्टेडियम) में आयोजित किया गया। शादी समारोह का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, मुख्य विकास अधिकारी श्रीप्रकाश गुप्ता, उप जिलाधिकारी सदर प्रतिभा मिश्रा एवं अन्य अधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। सामुहिक विवाह योजना के दूसरे चरण में कुल 342 जोड़ो का सामुहिक विवाह पूरे विधि विधान से सम्पन्न हुआ। जिसमे 4 मुस्लिम जोड़ो का निकाह भी कराया गया। सामुहिक विवाह कार्यक्रम निर्धारित विकास खण्डवार जिसमे सभी नगर पंचायत एवं नगर पालिका को भी शामिल किया गया है। सामुहिक विवाह के अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव विवाहित वर वधुओं को उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना की। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने नव विवाहित वर-वधुओ को आर्शिवचन देते हुए कहा कि नव विवाहित जोड़ो ने 7 फेरे लेकर एवं एक साथ रहने का जो संकल्प लिया है उसे आजीवन निर्वहन करे। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने नव विवाहित जोड़ो को बधाई दी तथा मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सामुहिक विवाह योजना कार्यक्रम महिलाओं के प्रति समाज में फैली कुरितियॉ को खत्म करने के लिए एक बहुत ही सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर सभी दाम्पत्य जोड़ो को पौधरोपण हेतु पौधे उपलब्ध कराये गये तथा प्रत्येक जोड़ो को अपने सालगिरह पर प्रत्येक वर्ष एक-एक पौध लगाने की अपील की।

एसपी ने ली परेड की सलामी विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर में साप्ताहिक ड्रिल के दौरान परेड की सलामी ली गई तथा इसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण भी किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न थानों से आई हुई पुलिस की गाड़ियों का निरीक्षण कर उनमें रखे गए सुरक्षा संबंधी उपकरणों को देखा गया। तथा संबंधितो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा डॉयल 112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर गाड़ियों का रिस्पांस टाइम जाना गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा लाइन में हो रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। बाद परेड सभी जवानों को हथियारों को खोलने तथा जोड़ने की ट्रेनिंग भी दी गई।

मेडिकल छात्रों को डीएम ने दिलाई सफेद कोट तथा चरक की शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।आज 9 दिसम्बर 22 शुक्रवार को एम बी बी एस द्वितीय बैच सत्र 2022-23 के छात्रों का सफेद कोट एवं चरक शपथ ग्रहण कार्यक्रम राजकीय मेडिकल कालेज में हुआ।इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस समारोह में प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज , वरिष्ट कोषाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं समस्त फैकल्टी मेम्बेर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे जिलाधिकारी ने शपथ दिलाते हुए छात्र-छात्राओ को उनके स्वर्णिम भविष्य की शुभकामना देते हुए पठन-पाठन पर प्रोत्साहित किया। इस दौरान डा0 अन्नू मक्कर ने कालेज के पिछले 01 वर्ष की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुप्रिया कुमारी ने किया तथा कार्यक्रम के समाप्ति पर डॉ नीरज कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

कष्ट हरण तेरो नाम राम हो : विदुषी वर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी में संगीत का संस्कार देने वाले संकट मोचन मंदिर में आयोजित भजन सम्मेलन के द्वितीय निशा में विदुषी ने अपनी सधी हुई सुर में हनुमान जी के चरणों में भजनों के द्वारा अपनी भावांजलि प्रस्तुत की। श्री राम विवाह पंचमी के पावन अवसर पर संकट मोचन दरबार में उपस्थित सुधी श्रोता भी भक्ति भाव में डूबते रहे। सुधी श्रोताओं से भरे दरबार में विदुषी ने हनुमान जी के चरणों में प्रणाम करते हुए अपनी प्रथम प्रस्तुति कष्ट हरण तेरो नाम राम हो...को साधा। तत्पश्चात राम विवाह का वर्णन करते हुए सखी सियवर की रंगीली झांकी.. सुना कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। सुधी श्रोता भी बीच -बीच में प्रभु राम का जय- जयकार लगाते हुए बाल सुर साधिका विदुषी का मनोबल बढ़ाते रहे। अंत में विदुषी ने जय जय जय हनुमान ...जी सुनाकर श्रोताओं को भी अपने साथ गाने के लिए विवश कर दिया विदुषी के साथ तबले पर अखिलेंद्र मिश्रा एवं हारमोनियम पर आनंद चौबे ने सुमधुर संगति प्रदान की कार्यक्रम का संचालन पंडित हरिराम द्विवेदी ने किया।

एनडीआरएफ की आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण की मुहीम जारी- केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों को दिया प्रशिक्षण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आपदा जोखिम नियुनिकरण मुहीम के अंतर्गत आपदाओं से बचाव एवं प्रबंधन हेतु विभिन्न संस्थानों और हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए एनडीआरएफ की टीमें लगातार प्रशिक्षण अभियान चला रही है। उसी कड़ी में समाज की युवा पीढ़ी बच्चे एवं शिक्षण संस्थानों में आपदा से बचाव हेतु स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम आयोजित कर रही है। उसी श्रृंखला में कमान्डेंट श्री मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में एनडीआरएफ टीम द्वारा बी एल डब्ल्यू कंचनपुर स्थित केन्द्रीय विद्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें एनडीआरएफ की प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा भूकंप में बचाव के तरीके, सीपीआर, गले में फंसी बाहरी वस्तु के निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों का अस्पताल पूर्व उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, आग से बचाव, रस्सी बचाव तकनीक, अग्निशामक यंत्र का उपयोग कैसे करें, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना, सड़क सुरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री डीएस पाठक द्वारा एनडीआरएफ का आभार व्यक्त किया गया उनके अगुवाई में स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्कूल के अन्य कर्मचारियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

जन औषधि केंद्र का हुआ शिलान्यास

अहरौरा। मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री की जानकल्याणकारी योजना के तहत जन औषधि केंद्र का आज दिन शुक्रवार को शिलान्यास हुआ। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के शिलान्यास के बाद क्षेत्र की जनता को दवाएं और भी किफायती एवं विश्वसनीय रूप से मिलेगी। जिससे इस क्षेत्र में बसे आदिवासी एवं दलित व गरीब मजदूर तबके के लोगों को इसका फायदा होगा।

ग्रामीण क्षेत्र के छात्र को आधा दर्जन पदकों से किया जायेगा सम्मानित

पिंडरा। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले दीक्षान्त समारोह में क्षेत्र के कठिराव निवासी अभिनायक मिश्र को आचार्य (परास्नातक) स्तर पर सम्पूर्ण विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर आधा स्वर्णपदकों से सम्मानित किया गया जायेगा। कठिराँव गाँव के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे अभिनायक बाल्यकाल से ही मेधावी व लगनशील छात्र रहा। बचपन से ही पारम्परिक संस्कृत की पढ़ाई की व बीएचयू से ही सम्बद्ध श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय कमच्छा से बारहवीं उत्तीर्ण किया। तत्पश्चात संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संङ्काय से वेदान्त विषय में शास्त्री (स्नातक) उत्तीर्ण किया है। अभिनायक ने बताया कि यह स्वर्ण पदक नहीं अपितु महामना मदन मोहन मालवीय जी के विचारों और संकल्पनाओं को आगे बढ़ाने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। अभिनायक इस स्वर्णिम सफलता का श्रेय अपने माता पिता, गुरुजनों व मित्रों को देते हैं जिनके आशीर्वाद से आज वह इस मुकाम पर हैं। अभिनायक को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, महाराजा विभूतिनारायण सिंह स्वर्ण पदक, वृन्दावनिया प्रेमपुरी स्वर्ण पदक, महाराजकुमार श्री सुधांशु शेखर स्वर्ण पदक, स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती वेदान्त स्वर्ण पदक, बीएचयू स्वर्ण पदक महामहोपाध्याय पंडित गोपीनाथ कविराज मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

4 फरारी काटते वारंटियों को भावरकोल पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भावरकोल स्थानीय पुलिस ने अदालत द्वारा जारी वारन्ट के बावजूद काफी अर्से से फरार चल रहे कुल चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी वारन्टी छोटू यादव, मूसन यादव, रमेश यादव इसी थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव के रहने वाले हैं जबकि छोटे लाल साहू लोचाईन गांव के रहने वाले हैं। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार चारों के खिलाफ अदालत द्वारा गैरजमानती वारंट जारी था। इसके बावजूद वह फरार चल रहे थे। उन्होंने बताया कि यह सूचना मिली कि चारों आरोपी घर पर मौजूद हैं। सूचना मिलते मौके पर थाने के एस आई रविप्रकाश अपने हमराहियों के साथ पहुंचकर चारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी को सम्बन्धित अदालत में पेश कर दिया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में शामिल उपनिरीक्षक रवि प्रकाश कांस्टेबल जितेंद्र शुक्ला, जितेश कुमार, मनोज यादव आदि शामिल रहे।

यातायात सुरक्षा अभियान को लेकर दिलाई गई शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। यातायात सुरक्षा अभियान के प्रति लोगो को जागरुक करने की मुहिम के अंतर्गत आज दिनांक 09 दिसम्बर को पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा सनबीम स्कूल महाराजगंज, गाजीपुर के बच्चों को तथा वहां उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा शिक्षकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा के संबंध में वाहन चलाते समय हेलमेट, सीटबेल्ट लगाने व यातायात नियमों का पालन करने हेतु सभी को जागरुक

किया गया तथा बच्चों से अपने परिवार के लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए भी कहा गया। इस अवसर पर यातायात सुरक्षा के प्रति कर रहे प्रयास करने वाले समाजसेवी और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मनोज वाजपेयी की मां का 80 साल की उम्र में निधन

गाजियाबाद (भाषा)। अभिनेता मनोज वाजपेयी की मां गीता देवी का यहां एक अस्पताल में बृहस्पतिवार की सुबह निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थी। अभिनेता के प्रवक्ता के अनुसार, गीता देवी करीब 20 दिनों से अस्वस्थ चल रही थी और आज सुबह साढ़े आठ बजे मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उनका निधन हो गया। बयान में कहा गया, मनोज वाजपेयी की मां गीता देवी का आज सुबह साढ़े आठ बजे निधन हो गया। उनका मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार की ओर से मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया। गीता देवी के मनोज के अलावा दो अन्य बेटे और तीन बेटियां हैं। वाजपेयी के पिता आर. के. बाजपेयी का पिछले साल अक्टूबर में दिल्ली में निधन हो गया था।

डेमाडेक्स नाम के अदृश्य घुन त्वचा व बालों के रोम में करते हैं वास

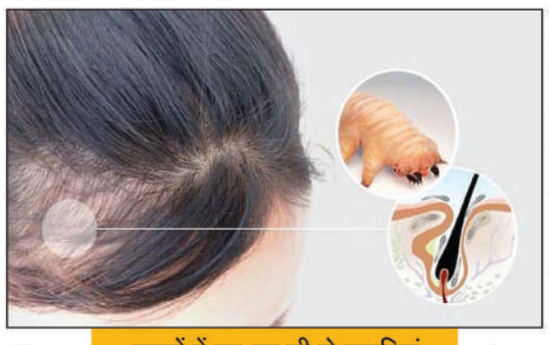

विक्टोरिया (द कन्वरसेशन)। डेमोडेक्स आठ-पैर वाले घुन परिवार का एक सदस्य है जो हमारे बालों के रोम में रहते हैं और कई स्तनधारियों की तेल ग्रंथियों से जुड़े होते हैं। मनुष्यों में इस घुन की दो प्रजातियां ज्ञात हैं, डेमोडेक्स फॉलिकुलोरम, जो मुख्य रूप से हमारे चेहरे (विशेष रूप से पलकों और भौहों) पर बालों के रोम में रहते हैं और डेमोडेक्स ब्रेविस, जो चेहरे और अन्य जगहों पर तेल ग्रंथियों में घर बनाते हैं। नवजात शिशुओं में डेमोडेक्स माइट्स नहीं होते हैं। वयस्क मनुष्यों पर उनकी तलाश करने वाले एक अध्ययन में, शोधकर्ता उन्हें केवल 14 प्रतिशत लोगों में देखकर पहचान सके। हालांकि, एक बार जब उन्होंने डीएनए विश्लेषण का उपयोग किया, तो उन्होंने जितने लोगों पर परीक्षण किया उन सभी पर यानी 100 प्रतिशत वयस्क मनुष्यों पर डेमोडेक्स के संकेत पाए। यह एक ऐसी खोज थी जो इस संबंध में पहले हो चुके परीक्षणों का समर्थन कर रही थी।

बहुत छोटे होते हैं डेमोडेक्स घुन

यदि वह पूरी मानवता में रहते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या ये घुन परजीवी हैं या हानिरहित जीव हैं और अपने अनजाने यजमानों के साथ सद्भाव से रहते हैं? और हमारी कौन सी दैनिक आदतें, जैसे चेहरा धोना और मेकअप लगाना, घुन के जीवित रहने में सहायता या बाधा डाल सकती हैं? यही सवाल मुश्किल हैं। डेमोडेक्स घुन बहुत छोटे होते हैं। दो मानव प्रजातियों में से बड़ी, डी. फोलिक्युलोरम, लगभग एक तिहाई मिलीमीटर लंबी होती है, जबकि डी. ब्रेविस एक चौथाई मिलीमीटर से भी कम होती है। वे अपने शरीर पर बैक्टीरिया की कई प्रजातियों को भी साथ रखते हैं। घुनों का सीधे पता लगाने के लिए कई विधियों का उपयोग किया जाता है। सबसे अच्छा तरीका एक त्वचा बायोप्सी है जिसमें माइक्रोस्कोप स्लाइड पर साइनोएक्रिलेट ग्लू (सुपरग्लू) की थोड़ी मात्रा का इस्तेमाल किया जाता है। घुन की रहने की आदतें ऐसी होती हैं कि वह बालों में अकसर लगने वाली बेलनाकार रूसी में आराम से रह जाते हैं। जिट एक्सट्रैक्टर के साथ माइट्स को फॉलिकल्स से भी निकाला जा सकता है।

जीवनकाल

घुन त्वचा की कोशिकाओं और वसामय तेलों को अपने भोजन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें वे एंजाइमों की एक श्रृंखला को स्रावित करके पहले से पचा लेते हैं। चूंकि उनके शरीर में मलद्वार नहीं होते, वे अपने अपशिष्ट उत्पादों को मुंह से निकालते हैं। फॉलिकल में अपने आरामदायक घरों में रहते हुए ये नन्हे जीव साथी बनाते हैं और अंडे देते हैं; लगभग 15 दिनों के जीवनकाल के बाद, वे मर जाते हैं और कूप में वहीं सड़ जाते हैं। इनके इन्हीं खराब जीवनचक्र के कारण डेमोडेक्स कुछ लोगों में एलर्जी का कारण बन सकता है।

> मनुष्यों में इस घुन की दो प्रजातियां ज्ञात हैं, डेमोडेक्स फॉलिकुलोरम, जो मुख्य रूप से हमारे चेहरे (विशेष रूप से पलकों और भौहों) पर बालों के रोम में रहते हैं और डेमोडेक्स ब्रेविस, जो चेहरे और अन्य जगहों पर तेल ग्रंथियों में घर बनाते हैं

हाल के अध्ययन

हाल के अध्ययन डेमोडेक्स माइट्स से जुड़ी कई स्थितियों के बारे में जानकारी देते हैं, जैसे चकत्ते, त्वचा पर मुंहासे और फुंसियां, पलकों में सूजन, पलकों की तेल ग्रंथियों में रुकावट जिससे सिस्ट की समस्या हो सकती है, कॉर्निया में सूजन, शुष्क आंखें और आंख पर मांस बढ़ जाना। हालांकि इन स्थितियों के अन्य कारण भी हैं, लेकिन इनमें घुन की भूमिका को लेकर अधिक संदेह है।

हालांकि, हम सभी की इन प्राणियों के प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं होती है। जब हम इनसे संक्रमित होते हैं, तो हमारे जीन हमारी प्रतिरक्षा और अन्य प्रतिक्रियाओं को निर्धारित करते हैं। हममें से कुछ बिल्कुल भी प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, हममें से कुछ को थोड़ी देर के लिए खुजली होती है। इसी तरह, घुन की संख्या लोगों के बीच भिन्न होती है, यदि वे उच्च स्तर पर पुनरुत्पादन करते हैं, तो उनसे होने वाली समस्याएं बढ़ने की संभावना अधिक होती है।

कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में अधिक होती है इनकी संख्या

दिलचस्प बात यह है कि उपरोक्त स्थितियों और घुन की संख्या उम्र के साथ और कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में बढ़ती हुई प्रतीत होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि घुन के प्रजनन और उनके नैदानिक प्रभावों को समझने के लिए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण है। कई चिकित्सीय यौगिक हैं जो घुन की संख्या को कम करते हैं, लेकिन आम सहमति यह है कि डेमोडेक्स हमारी त्वचा के वनस्पतियों का एक स्वाभाविक हिस्सा है, इसलिए यह सबसे अच्छा हो सकता है कि उन्हें पूरी तरह से खत्म न किया जाए।

नियमित सफाई और चेहरे की धुलाई, घुन की संख्या को कम कर सकते हैं

मेकअप ब्रश, चिमटी, आईलाइनर और काजल साझा करना शायद एक अच्छा विचार नहीं है, हालांकि साझा बाथरूम में संक्रमण से बचना मुश्किल हो सकता है। एक अध्ययन में, काजल में डेमोडेक्स के जीवित रहने का औसत समय 21 घंटे था। मेकअप के उपयोग के अन्य पहलू, जैसे नियमित सफाई और चेहरे की धुलाई, घुन की संख्या को कम कर सकते हैं, हालांकि अन्य अध्ययनों से पता चलता है कि घुन अच्छी तरह से धोने से भी बच जाते हैं।

इस प्रकार, यह स्पष्ट नहीं है कि आप अपने घुन की आबादी को कितना प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपको पलकों और आस-पास के क्षेत्रों में कोई सूजन है, तो मेकअप से परहेज करना और चिकित्सकीय सलाह लेना सबसे अच्छा हो सकता है। कुल मिलाकर, भले ही वे अप्रिय लगें, डेमोडेक्स हमारी त्वचा वनस्पतियों का एक सामान्य हिस्सा प्रतीत होता है। हालांकि, हममें से कुछ लोग उनकी उपस्थिति पर नकारात्मक प्रतिक्रिया करते हैं और चकत्ते और सूजन से पीड़ित होते हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना उतना ही आसान हो सकता है जितना कि एक चिकित्सा पेशेवर द्वारा निर्धारित धोने या उपचार के साथ घुन की संख्या को सीमित करना, बस यह जान लें कि हमारे घुन मित्रों से पूरी तरह से छुटकारा पाना शायद असंभव है।

मुंबई : बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने बृहस्पतिवार को अपना 87वां जन्मदिन मनाया।

'योद्धा' में मेरा नया रूप देखने को मिलेगा : सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई (आईएएनएस)। सिद्धार्थ मल्होत्रा की नई फिल्म 'योद्धा' 7 जुलाई, 2023 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। तो ऐसे में अभिनेता ने इसको लेकर खुलासा करते हुए कहा है कि इस फिल्म में आपको मेरा एक नया रुप देखने को मिलेगा। पुष्कर ओझा और सागर अंब्रे द्वारा निर्देशित थ्रिलर 'योद्धा' एक हाइजैकिंग पर आधारित है। फिल्म में सिद्धार्थ एक्शन से भरपूर भूमिका में और बिल्कुल नए अवतार में हैं।

इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ को-स्टार दिशा पटानी और राशि खन्ना नजर आएंगी। उन्होंने फिल्म के पोस्टर के साथ अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक्शन, रोमांच और बड़े पर्दे के मनोरंजन से भरपूर, हमारा योद्धा आपके नजदीकी सिनेमाघरों में उतर रहा है, इसलिए अपनी सीट बेल्ट बांध लें। 7 जुलाई 2023, सिनेमाघरों में योद्धा। सिद्धार्थ ने आगे कहा, एक कलाकार के रूप में, आप ऐसी पटकथा पर काम करना चाहेंगे जो आप में सर्वश्रेष्ठ लाए।

इसने वास्तव में मेरे एक नए संस्करण का अनावरण किया, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। मुझे दर्शकों और प्रशंसकों से जितना प्यार मिला है, जादुई है। योद्धा के पास उनके लिए क्या है, यह दिखाने के लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकता। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी अपनी आगामी 'द इंडियन पुलिस फोर्स' और रश्मिका मंदाना अभिनीत 'मिशन मजनू' में नजर आएंगे।

'कैसी ये यारियां 4' में अपने किरदार के बारे में सागर पारेख ने बताया

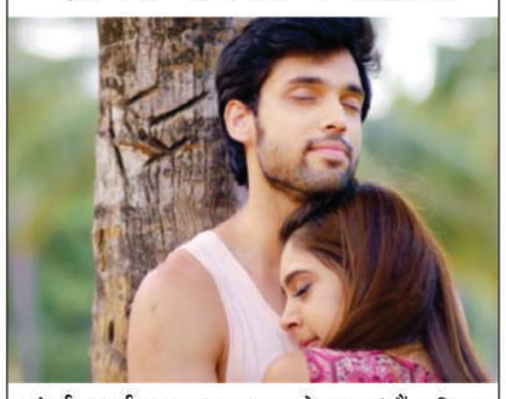

मुंबई (आईएएनएस)। अनुपमा, तेरा यार हूं मैं, बालिका वधू 2, राजा बेटा और इंटरनेट वाला लव जैसे टेलीविजन शो में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता सागर पारेख 'कैसी ये यारियां' शो के चौथे सीजन में नजर आने वाले हैं। इसमें अपने किरदार को लेकर अभिनेता ने जानकारी साझा की है और साथ ही शो के बारे में भी बात की। वह युवान के रूप में एक बिगड़ैल लडके और एक गिटारवादक की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो मादक द्रव्यों के सेवन का शिकार हो जाता है।

शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, वह एक बागी है। उसमें परिपक्वता की कमी है, जो उसे दुर्व्यवहार के जाल में फंसाती है। वह लापरवाह है और अपने किसी भी रिश्ते को महत्व नहीं देता है लेकिन गुजरते समय के साथ, वह पीछे मुड़कर देखता है और महसूस करता है, ये गलतियां। मुझे यकीन है कि दर्शकों के लिए युवान का सफर देखना काफी दिलचस्प होगा। शो, जो एक प्रेम गाथा प्रस्तुत करता है, में पार्थ समथान और नीति टेलर मुख्य भूमिका में हैं।

जब पार्थ और नीति के साथ उनके समीकरण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मेरे सह-कलाकार पार्थ, नीति और पूरी कास्ट बहुत मजेदार लोग हैं। वे बेहद प्रतिभाशाली अभिनेता हैं, हम आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही समय में एक-दूसरे के साथ जुड़ गए। गोवा में अपनी शूटिंग के दौरान हम एक साथ पार्टी करते थे, क्लब में जाते थे, साथ में खाना खाते थे, मजाक करते थे, चुटकुले सुनाते थे। यह बहुत अच्छा था कि हमने वास्तव में एक साथ शानदार समय बिताया। मैंने पहले सीजन 3 देखे हैं और मुझे यह बहुत पसंद आए। अभिनेता को लगता है कि यह शो युवा दर्शकों के साथ अच्छी तरह से जुड़ता है क्योंकि इसकी सामग्री उनकी संवेदनाओं को अपील करती है। कैसी ये यारियां वूट पर स्ट्रीम होता है।

27वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में होगा 'ज्विगाटो' का प्रीमियर

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म 'ज्विगाटो' का प्रीमियर केरल के 27वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर और बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एशियन प्रीमियर के बाद, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और नंदिता दास निर्देशित 'ज्विगाटो' का प्रीमियर केरल के 27वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होने वाला है। इस फिल्म को फेस्टिवल के कैलिडोस्कोप सेक्शन में ओपनिंग फिल्म के रूप में चुना गया है, जिसकी स्क्रीनिंग 10 और 13 दिसंबर 2022 को होगी। नंदिता दास द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में कपिल शर्मा एक डिलीवरी फूड राइडर के रूप में दिखाई देने वाले हैं। कपिल शर्मा के अपोजिट शाहाना गोस्वामी नजर आएंगी वह इस फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रहीं हैं, जो एक होम मेकर हैं और अपनी इनकम का सपोर्ट करने के लिए पहली बार काम करना शुरू करती हैं।

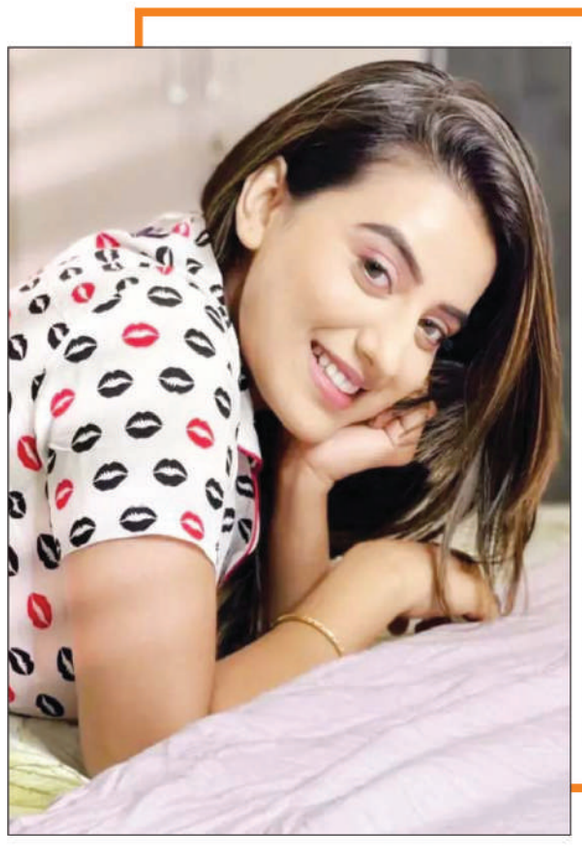

अक्षरा सिंह का गाना 'कितने झूठे' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह का गाना कितने झूठे रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह का मेरी ट्यून से रिलीज हुआ गाना 'कितने झूठे' एक रोमैटिक सैड सॉन्ग है जो रिलीज होते ही सुर्खियों में आ गया है। इस गाने में अक्षरा के साथ करण खन्ना नजर आ रहे है। कितने झूठे गाने में अक्षरा सिंह के साथ अभिषेक ने अपनी आवाज दी है। अक्षरा सिंह अपने इस गाने को लेकर बेहद ही ज्यादा उत्साहित है।

टेलीग्राम ने भारत में पेश किया 'नो-सिम साइनअप' फीचर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। टेलीग्राम मैसेंजर ने गुरुवार को देश में 'नो-सिम साइनअप' सहित अपने लेटेस्ट अपडेट में नए फीचर्स की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 'नो-सिम साइनअप' फीचर उपयोगकर्ताओं को व्यक्ति गत रूप से या सामूहिक मंचों पर अपने फोन नंबरों का खुलासा किए बिना दूसरों के साथ संवाद करने की अनुमति देता है।

यह प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को और बेहतर बनाने और उच्चतम स्तर की गोपनीयता बनाने के लिए सिम कार्ड के बिना टेलीग्राम खाते के लिए साइन अप करने की अनुमति देता है। उपयोगकर्ता फ्रैगमेंट प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध ब्लॉकचेन-संचालित गुमनाम नंबरों का उपयोग कर लॉग इन कर सकते हैं। 'नो-सिम साइनअप' के अलावा, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने 'ऑटो-डिलीट ऑल चैट', टॉपिक्स 2.0', 'अस्थायी क्यूआर कोड' और अन्य सहित कई अन्य फीचर पेश किए।

पहले, उपयोगकर्ता केवल व्यक्ति गत चैट को हटाने में सक्षम थे, लेकिन अब 'ऑटो-डिलीट ऑल चैट्स' के साथ, वे सभी नए चैट में संदेशों को स्वचालित रूप से हटाने के लिए एक ऑटो-डिलीट टाइमर सेट कर सकते हैं। 'टॉपिक्स 2.0' फीचर के साथ, 99 से अधिक सदस्यों वाले ग्रुप एडमिन दो-कॉलम मोड इंटरफेस के बाद विषयों में चर्चाओं को व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि उपयोगकर्ता विषयों को ब्राउज करते समय आसानी से मौजूदा चैट ढूंढ सकें।

प्लेटफॉर्म ने कहा, आईओएस यूजर्स एंड्रॉइड यूजर्स की तरह, कस्टम पैक सहित परफेक्ट इमोजी खोजने के लिए इमोजी सर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें कहा गया, अब प्रीमियम उपयोगकर्ता टेलीग्राम कलाकारों द्वारा डिजाइन किए गए 10 और कस्टम इमोजी पैक के साथ संदेशों, प्रतिक्रियाओं और स्थितियों में खुद को अधिक आनंद ले सकते हैं और खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

मोबाइल पर आने वाली फिजूल सूचनाएं दिमाग पर जोर डालती हैं

विक्टोरिया (द कन्वरसेशन)। पिज्जा कंपनी से एक पिंग। आपके जान पहचान के लोगों से कुछ पिंग्स। आपके परिवार के व्हाट्सएप ग्रुप से पिंग, पिंग, पिंग क्योंकि सप्ताहांत में एक बारबेक्यू आयोजित होने जा रहा है। मतलब यह कि स्मार्टफोन पर पिंग के साथ जब इस तरह की तमाम सूचनाएं आती हैं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आप जो काम करने की कोशिश कर रहे हैं उस पर से आपका ध्यान हट जाता है। वैसे आपका ध्यान भटकाने के लिए आपके फोन को पिंग करने की भी जरूरत नहीं है। इस बात के बहुत अच्छे सबूत हैं कि आपके फोन की उपस्थिति, भले उसमें से कोई आवाज आ रही हो या नहीं, आपका ध्यान भटकाने के लिए पर्याप्त है। तो क्या चल रहा है? इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि महत्वपूर्ण चीजों को छोड़े बिना आप अपना ध्यान अपने काम की चीजों में वापस कैसे लगा सकते हैं?

औसत व्यक्ति दिन में करीब 85 बार चेक करता है अपना फोन : हालांकि अनुमान अलग-अलग होते हैं, लेकिन औसत व्यक्ति दिन में करीब 85 बार अपना फोन चेक करता है, मोटे तौर पर हर 15 मिनट में एक बार। दूसरे शब्दों में, हर 15 मिनट में आपका ध्यान आप जो कर रहे हैं, उससे भटकने की संभावना है। समस्या यह है कि आपके फोन द्वारा बाधित किए जाने के बाद आपकी एकाग्रता को पूरी तरह से पुनः प्राप्त करने में कई मिनट लग सकते हैं।

यदि आप केवल टीवी देख रहे हैं, तो ध्यान भटकाना (और फिर से ध्यान केंद्रित करना) कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन अगर आप कार चला रहे हैं, पढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, काम पर जा रहे हैं, या अपने प्रियजनों के साथ समय बिता रहे हैं, तो इससे कुछ गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। आपके फोन से आने वाले पिंग एक बाहर से आने वाली रुकावट हैं। दूसरे शब्दों में, आपके आस-पास, किसी बाहरी चीज ने रुकावट पैदा की है। जब हम अपने फोन की पिंग सुनते हैं तो उत्साहित हो जाते हैं। यह वही सुखद अहसास है जैसे जुआ खेलने वाले लोग पोकर मशीन को देखकर या उसकी आवाज सुनकर उत्साहित होते हैं।

सोचिए कि काम करते हुए आपका ध्यान कितनी बार खामोश पड़े फोन पर चला जाता है और आप खुद को उसे उठाने से रोकते हैं, लेकिन फिर उसे उठा लेते हैं यह देखने के लिए कि ऑनलाइन क्या हो रहा है। इस स्थिति में, हम हर बार जब हम अपने फोन को देखते हैं तो हमें लगता है कि हमें कुछ अच्छा देखने को मिलने वाला है और हम फोन को उठाने के लिए पिंग का इंतजार नहीं करते हैं। ये आवेग प्रबल होते हैं। अपने फोन की जांच करने के बारे में इस लेख को पढ़कर बहुत से लोगों को ऐसा सकता है, अपना फोन उठा कर देख लें।

सूचनाएं उत्पादकता कम करती हैं : इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मोबाइल पर आने वाली सूचनाएं उत्पादकता कम करती हैं, एकाग्रता घटाती हैं और काम और स्कूल में ध्यान भटकाने में वृद्धि से जुड़ी हैं। लेकिन क्या कोई सबूत है कि हमारा मस्तिष्क बार-बार किसी काम से हटने वाले ध्यान को फिर से काम पर लगाने में कड़ी मेहनत कर रहा है? लोगों की मस्तिष्क तरंगों के एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग बहुत देर तक मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, वे उन लोगों की तुलना में सूचनाओं को देखने के प्रति अधिक संवेदनशील थे, जिन्होंने कहा कि वे मोबाइल का कम इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से इस बात के प्रमाण हैं कि आप अपने फोन का उपयोग अनुत्पादक तरीकों से करने में जितना अधिक समय व्यतीत करते हैं, आप अपनी भलाई पर उतना ही कम ध्यान देते हैं।

अपने व्यवहार में बदलाव की है आवश्यकता : हम जानते हैं कि अपने फोन को साइलेंट पर स्विच करने से समस्या जादुई रूप से ठीक नहीं होने वाली है, खासकर यदि आप फोन को बार-बार देखते रहने के आदी हैं। ऐसे में आपको अपने व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता है, और यह कठिन है। स्थायी परिवर्तन देखने के लिए कई प्रयास किए जा सकते हैं। अगर आपने कभी धूम्रपान छोड़ने, वजन कम करने, या व्यायाम कार्यक्रम शुरू करने की कोशिश की है, तो आप समझ जाएंगे कि मेरा क्या मतलब है। सभी गैर-आवश्यक सूचनाओं को बंद करके प्रारंभ करें। यदि आप अपने फोन को बार-बार जाँचने की संख्या कम करना चाहते हैं, तो यहां कुछ चीजें आजमाई जा सकती हैं-

-अपने फोन को अपने बेडरूम के बजाय किसी दूसरे कमरे में रात भर के लिए चार्ज करें। सूचनाएं आपको सोते रहने से रोक सकती हैं और बार-बार आपको नींद से जगा सकती हैं।

-फोन को बार बार जांचने की अपनी इच्छा पर लगाम लगाएं और अपने आप से पूछें क्या यह आपको लाभ पहुंचाने वाला है। उदाहरण के लिए, जैसे ही आप अपने फोन तक पहुंचने के लिए मुड़ते हैं, रुकें और अपने आप से पूछें कि क्या यह क्रिया आपका ध्यान बंटाने के अलावा किसी अन्य उद्देश्य की पूर्ति करती है।

-काम के दौरान फोन को नहीं देखने के समय की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं। यदि आप फोन को ज्यादा इस्तेमाल करने वाले लोगों में से हैं तो किसी भी कार्य पर अपना ध्यान बनाए रखने की प्रक्रिया को अपनाने में कुछ समय लग सकता है ।

कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म

बंदा का पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की आने वाली कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म बंदा का पोस्टर रिलीज हो गया है। मनोज वाजपेयी ने अपनी आने वाली कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म बंदा की शूटिंग को पूरा कर लिया है। इस फिल्म का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर में मनोज वाजपेयी चश्मा पहने हुए इंटेंस दिख रहे हैं। जी स्टूडियोज और भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड की प्रस्तुति, अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित सुपर्ण एस वर्मा की कोर्ट रूम ड्रामा,'बंदा' विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, आसिफ शेख और विशाल गुरनानी द्वारा निर्मित और जूही पारेख मेहता द्वारा सह-निर्मित हैं।

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया की योजना

मुंबई। एयर इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी योजना 40 करोड़ डालर का निवेश करके 27 बोइंग बी787-8 विमानों और 13 बी777 विमानों समेत चौड़े आकार के अपने दोनों बेड़ों को नए जैसा बनाने की है। एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि इसके तहत केबिन के मौजूदा इंटीरियर को पूरी तरह से बदल दिया जाएगा और नए किस्म की सीट और विमान के भीतर मनोरंजन की सबसे अच्छी व्यवस्था सभी श्रेणियों में की जाएगी। इसमें बताया गया कि दोनों बेड़ों में महंगे एवं सुविधाजनक इकोनॉमी केबिन की शुरुआत की जाएगी।

सीईओ का इस्तीफा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील की अमेरिकी इकाई जेएसडब्ल्यू स्टील यूएसए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क बुश ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि उनका इस्तीफा कंपनी की 2023 में बेटाउन में इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण परियोजना के पूरा होने से पहले आया है। बुश, 2020 में समूह की अमेरिकी इकाई के सीईओ के रूप में शामिल हुए थे। बयान में कहा गया है कि बुश ने अन्य अवसरों की तलाश के लिए सीईओ के पद से इस्तीफा दिया है। नए सीईओ की नियुक्ति जल्द होगी।

जापान की इकोनामी फिसली

टोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था में जुलाई-सितम्बर में पिछली तिमाही के मुकाबले गिरावट आई है। हालांकि, देश में कोविड-19 के ताजा प्रकोप से जितना सोचा गया था, उससे कम नुकसान हुआ है। कैबिनेट कार्यालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि जुलाई-सितम्बर में अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे पहले अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। तिमाही आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई है।

मैक्रोटेक पूंजी जुटाएगी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रवर्तकों की संस्थागत निवेशकों को शेयर बिक्री करके करीब 3,500 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों की बिक्री करती है। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बुधवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि कंपनी ने शेयरों का पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया है। क्यूआईपी में प्रवर्तक समूह की संस्थाओं द्वारा शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

आईनाक्स ने रकम जुटाई

नई दिल्ली। आईनाक्स जीएफएल समूह ने पिछले एक पखवाड़े में अपनी इकाइयों के जरिए करीब 1,500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि आईनाक्स जीएफएल ग्रुप ने हाल ही में अपनी सभी परिचालन इकाइयों के कर्ज में कमी लाने के लिए कदम उठाना शुरू किया है। इसी के तहत समूह ने पिछले पखवाड़े में अपनी इकाइयों के जरिए लगभग 1,500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। बयान के अनुसार इस पूंजी का उपयोग इसकी इकाइयों के कर्ज को कम करने के लिए किया गया है। इससे ब्याज खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी।(एजेंसियां)

इंफ्रा क्षेत्र के लिए आएगा गारंटीड बांड बीमा उत्पाद

■ सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया ऐलान

■ पहला उत्पाद 19 को होगा लांच ■ इससे ठेकेदारों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (भाषा)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ढांचागत क्षेत्र में तरलता बढ़ाने के लिए देश का पहला गारंटी बांड बीमा उत्पाद 19 दिसम्बर को जारी करेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में देश का पहला गारंटी बांड बीमा उत्पाद लाने की घोषणा की। गारंटीड बांड बीमा, कारपोरेट बांड और वित्तीय गारंटी से अलग होते हैं। गारंटीड बांड के तहत किसी बीमित परियोजना को पूरा करने या प्रदर्शन का दायित्व निहित होता है जबकि कारपोरेट बांड ऋण चुकाने से संबंधित वित्तीय दायित्व से संबंधित होते हैं। गडकरी ने उद्योग निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय राजमार्गों का बुनियादी ढांचा तेजी से विकसित हो रहा है जिसके लिए फंड की जरूरत है।

गडकरी ने कहा, 'हमारा मंत्रालय 19 दिसम्बर को भारत का पहला गारंटीड बांड बीमा उत्पाद उतारने वाला है। इससे ठेकेदारों को बड़ी राहत मिलेगी।' गडकरी ने कहा कि गारंटी बांड ठेकेदारों की बैंक गारंटी के रूप में फंसी कार्यशील पूंजी को मुक्त कराने में मदद करेंगे जिससे बुनियादी ढांचा क्षेत्र में नकदी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'ठेकेदार इस धन का इस्तेमाल अपना कारोबार बढ़ाने के लिए कर सकते है।'

गारंटीड बीमा बांड में किसी बीमित परियोजना को पूरा करने या प्रदर्शन का दायित्व निहित होता है

नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री

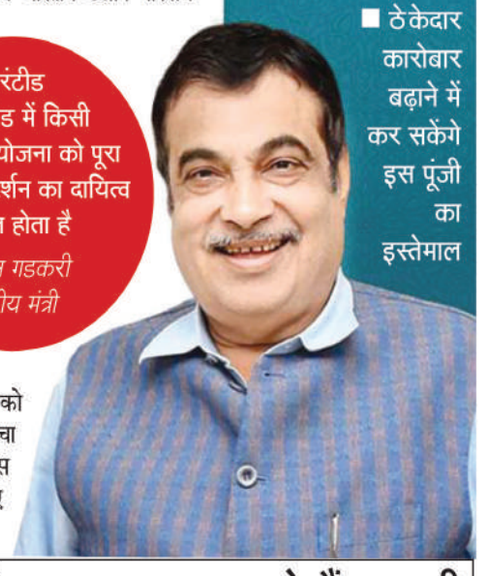

■ इस बांड से ठेकेदारों की बैंक गारंटी के रूप में फंसी पूंजी निकालने में मिलेगी मदद

■ इससे बुनियादी ढांचा क्षेत्र में बढ़ेगा नकदी का प्रवाह

■ ठेकेदार कारोबार बढ़ाने में कर सकेंगे इस पूंजी का इस्तेमाल

आने वाले वक्त में बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है शहरीकरण : परमेश्वरन

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) परमेश्वरन अय्यर ने कहा कि भारत की 50 फीसद आबादी 2047 तक शहरी इलाकों में रहने लगेगी ऐसे में शहरीकरण बहुत अहम होने वाला है।

उद्योग संगठन फिक्की के एक कार्यक्रम में अय्यर ने कहा कि कई राज्यों ने ठोस कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी अच्छा

काम किया है। उन्होंने कहा, 'शहरीकरण बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि 2047 तक भारत की 50 फीसद आबादी शहरी क्षेत्रों में रह रही होगी। यदि शहरी इलाकों में मूलभूत सुविधाएं नहीं होंगी तो यह एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाएगी।'

उन्होंने कहा कि चक्रीय अर्थव्यवस्था का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। भारत के पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई से जुड़े एक सवाल के जवाब में अय्यर ने कहा, 'आप भारत में पर्यटन को आक्रामक तरीके से बढ़ावा देना चाहते है तो बेहतर होगा कि आपके आसपास के स्थल स्वच्छ हों और आपका बर्ताव भी अच्छा हो।

79000 खरीदारों को जल्द मिलेगा अपना घर

■ सरकार ने स्वामी कोष में दिये 5000 करोड़ रुपए

■ बिल्डर के प्रोजेक्ट पूरे करने में मदद देता है स्वामी कोष

मुंबई (भाषा)।

सरकार ने अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्तीय मदद मुहैया कराने के मकसद से गठित स्वामी निवेश कोष-1 में 5000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि डाली है।

इस निवेश कोष का प्रबंधन करने वाली कंपनी एसबीआई कैपिटल वेंचर्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार की तरफ से डाली गई इस अतिरिक्त राशि के साथ ही कोष का आकार 15,530 करोड़ रुपए हो गया है। इसके साथ ही यह निवेश कोष अपने घोषित आकार पर पहुंच गया है। दिसम्बर 2019 में वित्त-मंत्रालय समर्थित इस कोष की शुरुआत 10,037.5 करोड़ रुपए के साथ हुई थी। उस समय भी सरकार ने इसमें 5,000 करोड़ रुपए लगाए थे जबकि बाकी निवेश एसबीआई, एलआईसी, एचडीएफसी लिमिटेड और कुछ सार्वजनिक बैंकों ने किया था। बिल्डरों एवं डेवलपरों की अनियमितता के कारण देश भर में लाखों घर खरीदारों के अपने फ्लैट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा था। इन अधूरी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्त मुहैया कराने के मकसद से स्वामी कोष का गठन किया गया था। अभी तक इस कोष से 127 परियोजनाओं के लिए राशि आवंटित की गई है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने पर 79,000 से अधिक फ्लैट खरीदारों को अपने घर मिल पाएंगे। इनके अलावा 286 अन्य परियोजनाओं का भी वित्तीय मदद के लिए आकलन किया जा रहा है जिनमें एक लाख से अधिक फ्लैट अधूरे पड़े हुए है। एसबीआई कैपिटल वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी सुरेश कोझिकोड ने कहा, 'स्टेट बैंक समूह भारत सरकार की इस रणनीतिक पहल को लागू करने के लिए सभी जरूरी संसाधन मुहैया कराता रहेगा।'

■ अब तक 127 प्रोजेक्ट को दी जा चुकी है इस कोष से मदद

■ इससे 79 हजार फ्लैट बनाने का काम किया जा रहा है पूरा

■ 286 अन्य परियोजनाओं को मदद देने की योजना पर काम जारी

लद्दाख में फ्यूनिकुलर रेल शुरू करना चाहते हैं गडकरी

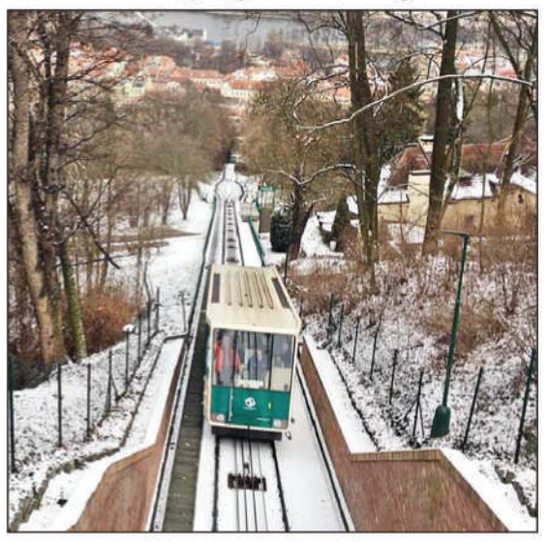

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमर्गा मंत्री नितिन गडकरी लद्दाख और लेह में फ्यूनिकुलर रेल शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बिजली आधारित एक त्वरित जन परिवहन प्रणाली शुरू करना चाहता हूं जिसके तहत लद्दाख और लेह में 30 फ्यूनिकुलर रेलवे प्रणाली परियोजना शुरू करना चाहता हूं।' फ्यूनिकुलर रेल प्रणाली के तहत तेज चढ़ाई वाली जगह पर रेल डिब्बे को घूमने वाली केबल की मदद से ऊपर खींचा जाता है। इस केबल का संचालन बिजली मोटर से किया जाता है।

रुपए में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित होंगे कार्यक्रम

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो रुपए में व्यापार को बढ़ावा देने पर जोर दे रहे हैं। इसके तहत विभिन्न संबंधित पक्षों को प्रशिक्षित करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में पांच दिसम्बर को एक बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक का आयोजन वित्त मंत्रालय ने रुपए में विदेश व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किया था। इसमें वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी, बैंकों के सीईओ और निर्यातक शामिल हुए। अधिकारी ने कहा कि आरबीआई के एक प्रतिनिधि ने इस मुद्दे पर निर्यात संवर्धन परिषदों और संबंधित बैंकों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि भारतीय बैंक संघ और फियो संयुक्त रूप से रुपया व्यापार व्यवस्था पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि रुपया निपटान तंत्र निर्यातकों को विनिमय जोखिमों से बचाने में मदद करेगा।

स्मार्टफोन खेप को रोकने की कार्रवाई निर्यात के लिए घातक

नई दिल्ली (भाषा)।

चीनी मोबाइल फोन कंपनी वीवो ने आरोप लगाया है कि राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने निर्यात के लिए तैयार कंपनी की एक खेप को दिल्ली हवाईअड्डे पर रोक दिया है।

उद्योग निकाय आईसीईए के सरकार को लिखे पत्र के अनुसार वीवो ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई भारत से कंपनी के निर्यात के लिए घातक है। वीवो ने इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) को भेजे एक ईमेल में आरोप लगाया है कि डीआरआई ने 26,840 मोबाइल फोन की खेप को जब्त कर लिया है। विभाग हैंडसेट के बाक्स की सील खोलने के बाद उसके आईएमईआई नंबर की जांच कर रहा है, जिसके बाद उनका निर्यात नहीं हो पाएगा।

■ त्योहारी सीजन में दिल्ली एयरपोर्ट पर रोकी गई थी यह खेप

■ वीवो ने कहा, सारे के सारे फोन हवाईअड्डे पर बिखरे पड़े रहे

■ इससे फोन की यह पूरी खेप बुरी तरह हो गई थी बरबाद

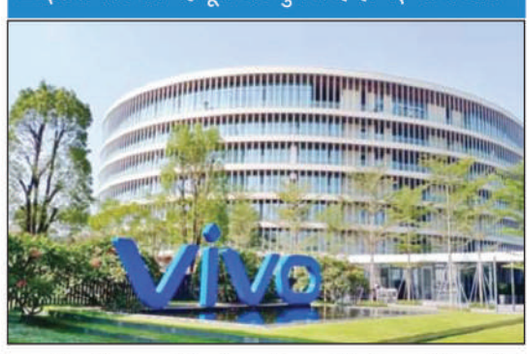

ईमेल के मुताबिक, 'पूरी खेप दिल्ली हवाईअड्डे पर बिखरी पड़ी है, और अब निर्यात के लायक नहीं रह गई है। अब इसे दोबारा कारखाने ले जाकर पूरी तरह निरीक्षण करने और फिर से पैक करना होगा। त्योहारों का मौसम होने के कारण, डीआरआई की यह कार्रवाई घातक है।'

आईसीईए ने डीआरआई की कार्रवाई पर चिंता व्यक्त करते हुए इस बात को इलेक्ट्रानिक्स और आईटी मंत्रालय तक पहुंचाई है। उसने इस संदर्भ में मंत्रालय के सचिव अल्केश कुमार शर्मा को पत्र लिखा है। इस संबंध में वीवो और डीआरआई को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

पूर्वोत्तर राज्यों में 2025 तक दो लाख हेक्टेयर में रबड़ की खेती का लक्ष्य

अगरतला (भाषा)।

रबड़ का उत्पादन बढ़ाने के लिए रबड़े बोर्ड ने वर्ष 2025 तक पूर्वोत्तर राज्यों में दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रबड़ की खेती का लक्ष्य रखा है। रबड़ बोर्ड के चेयरमैन डा. सावर धनाणिया ने कहा, 'पूर्वोत्तर के सात राज्यों में रबड़ उत्पादन और रबड़ की खेती बढ़ाने के लिए हमने 'एनई मित्र' नाम की एक योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 2025 तक इस क्षेत्र में रबड़ की खेती का रकबा दो लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया जाएगा।'

ऐसा पाया गया है कि सिक्किम को छोड़कर पूर्वोत्तर के बाकी सभी राज्य, अरूणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा का वातावरण रबड़ उत्पादन के लिए उपयुक्त है। अभी पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात राज्यों में कुल मिलाकर दो लाख टन रबड़ का वार्षिक उत्पादन होता है जिसमें सर्वाधिक एक लाख टन रबड़ अकेले त्रिपुरा में पैदा होती है।

केरल के बाद त्रिपुरा का रबड़ उत्पादन के मामले में देश में दूसरा स्थान है। त्रिपुरा की 40 लाख की आबादी में से करीब 1.15 लाख रबड़ उत्पादक है।

रेपो दर में एक और वृद्धि कर सकता है रिजर्व बैंक

नई दिल्ली (भाषा)। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक उदय कोटक ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत दर रेपो में एक और बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई के रेपो दर में 0.35 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के एक दिन बाद उन्होंने यह बात कही।

कोटक ने कहा कि मुद्रास्फीति को संतोषजनक स्तर की उच्च सीमा छह प्रतिशत से नीचे लाने के लिए ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम 'वैश्विक आर्थिक नीति सम्मेलन 2022' में कहा कि बुधवार को आरबीआई ने संकेत दिया कि वह चाहता है कि मुद्रास्फीति ऊपरी संतोषजनक सीमा से नीचे हो और फिर चार प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़े। कोटक ने कहा, 'मेरी समझ से नीतिगत दर में एक और वृद्धि हो सकती है और उस समय यह सोचना होगा कि यह कहां रुकेगा।

जैसा आज लग रहा है, शायद यह दर 6.5 प्रतिशत होगी, लेकिन हमें आंकड़ों को बहुत करीब से देखना होगा। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बाकी दुनिया और तेल की कीमतों में क्या होता है। यह कई अन्य बातों पर निर्भर करेगा।'

सोना में 35 रुपए की गिरावट चांदी 251 रुपए फिसली

नई दिल्ली (भाषा)।

विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच बृहस्पतिवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 211 रुपए बढ़कर 54,270 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले, कारोबारी सत्र में सोना 54,059 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 593 रुपए की तेजी के साथ 66,662 रुपए प्रति किलोग्राम पर जा पहुंचा।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, 'निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा कमजोर होने तथा अमेरिकी बांड प्रतिफल कम होने एशियाई कारोबार के घंटों में सोने की कीमतों में तेजी आई।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,782.3 डालर प्रति औंस पर था। चांदी भी तेजी के साथ 22.71 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

सेंसेक्स में 160 अंक की बढ़त दर्ज

■ सत्र की समाप्ति पर 62571 पर बंद ■ निफ्टी में दर्ज हुई 49 अंकों की बढ़त

मुंबई (भाषा)।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 160 अंक लाभ में रहा। वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच चुनिंदा बैंकों और वाहन शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 160 अंक की बढ़त के साथ 62,570.68 अंक पर बंद हुआ। शुरूआत गिरावट के साथ हुई लेकिन बाद में इसमें तेजी आई और एक समय यह 62,633.56 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 13 लाभ में जबकि 17 नुकसान में रहे। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 48.85 अंक की तेजी के साथ 18,609.35 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 27 नुकसान में रहे।

सेंसेक्स शेयरों में एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एल एंड टी, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा मारुति प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, सन फार्मा सबसे अधिक 3.57 प्रतिशत नीचे आया। कंपनी के गुजरात स्थित हलोल कारखाने को अमेरिकी दवा एवं खाद्य प्रशासन (यूएसएफडीए) की तरफ से आयात सतर्कता सूची में डालने और अमेरिकी बाजार में इस संयंत्र से निर्यात पर पाबंदी से कंपनी का शेयर नीचे आया। इसके अलावा, नुकसान में रहने वाले अन्य शेयरों में पावरग्रिड, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, विप्रो, कोटक बैंक और बाजाज फाइनेंस शामिल है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसका कारण आर्थिक नरमी और फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में वृद्धि की आशंका से वैश्विक बाजारों में गिरावट है। मंदी की आशंका से आईटी और दवा कंपनियों के शेयरों पर असर पड़ा। वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बाजार को समर्थन देना जारी रखा।'

घट रही है महंगाई, ग्रामीण बाजार में बिक्री बढ़ेगी

नई दिल्ली (भाषा)।

दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली इकाइयों के लिए महंगाई का दबाव कुछ हद तक घट रहा है और ग्रामीण बाजारों में बिक्री में वृद्धि के संकेत है। विभिन्न कारोबार से जुड़ी कंपनी आईटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

उन्होंने उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा कि इस समय महंगाई है और इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक उपयोग के सामान (एफएमसीजी) की बिक्री की वृद्धि रुकी हुई है। उन्होंने कहा कि बिक्री में ज्यादातर कमी मुद्रास्फीति के चलते है। खपत के रुझान के बारे में पूछने पर पुरी ने कहा, 'एफएमसीजी खंड में, हम आमूलचूल बदलाव देख रहे है और साथ ही लोग बेहतर मूल्य चाहते है और कम कीमत को लेकर दबाव है।'

■ ग्रामीण क्षेत्रों में रुकी थी दैनिक उपयोग के सामान की बिक्री

■ अब इस खंड में आ सकता है आमूलचूल बदलाव

■ एफएमसीजी ग्राहक चाहते हैं कीमतों में की जाए कमी

उन्होंने आगे कहा कि इस समय दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में भारत की स्थिति काफी बेहतर है। गौरतलब है कि विकसित दुनिया में उच्च मुद्रास्फीति है। पुरी ने कहा, 'जहां तक खपत का सवाल है, दबाव का मुख्य बिंदु मुद्रास्फीति के चलते है, क्योंकि बहुत सारे उत्पादों की कीमतें एक साल में इतनी बढ़ी है, जितनी बढ़ने में शायद पहले पांच साल लग गए होंगे।'

उन्होंने हालांकि कहा कि ग्रामीण मांग बेहतर होने जा रही है।

रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ 82.44 प्रति डालर पर

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजार की तेजी के साथ अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को तीन पैसे बढ़कर 82.44 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.34 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में यह तीन पैसे की तेजी के साथ 82.44 रुपए प्रति डालर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपए ने 82.26 के उच्च स्तर और 82.47 के निचले स्तर को छुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.47 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था।

आनलाइन गेमिंग उद्योग की सकल राजस्व पर जीएसटी लगाने की मांग

नई दिल्ली (भाषा)। कौशल आधारित आनलाइन गेमिंग उद्योग ने कहा है कि उसे जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन यह कर प्रतिस्पर्धा में शामिल होने की प्रवेश राशि पर न लगाकर क्षेत्र के सकल राजस्व पर लगाया जाना चाहिए। आनलाइन गेमिंग से जुड़े पक्षों का कहना है कि अगर प्रतिस्पर्धा प्रवेश राशि पर 28 प्रतिशत की दर से माल एवं सेवा कर लगाने का फैसला जीएसटी परिषद की बैठक में लिया जाता है तो 2.2 अरब डालर के आकार वाले इस उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

ऐसी चर्चाएं है कि जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में आनलाइन गेमिंग गतिविधियों की कुल राशि पर 28 प्रतिशत की दर से कर लगाने पर विचार किया जाएगा। फिलहाल गेमिंग के सकल राजस्व पर कर लगता है और उसकी दर 18 प्रतिशत है। जीजीआर वह शुल्क होता है जो कौशल आधारित आनलाइन गेमिंग मंच अपने उपभोक्ता से सेवा शुल्क के रूप में वसूलता है। वहीं प्रतिस्पर्धा प्रवेश राशि (सीईए) गेमिंग मंच पर किसी प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनने के लिए दिया जाने वाला शुल्क होती है।

बीसीसीआई ने जारी किया भारत का घरेलू सीरीज शेड्यूल

श्रीलंका, न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया खेलेगी मुकाबले

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन घरेलू सीरीज के दौरे का शेड्यूल जारी किया है। भारतीय टीम जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टीम जनवरी-फरवरी में तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया भी फरवरी-मार्च में भारत का दौरा करेगी।

इस दौरान दोनों टीमों के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। फिर दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट असाइनमेंट खत्म करने के बाद अगले तीन महीने तक भारतीय टीम अपने घर में खेलेगी। इसकी शुरुआत जनवरी में श्रीलंका के दौरे से होगी। अगले साल भारत में होने वाले वर्ल्ड कप को देखते हुए यह तीनों सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया पहले टी20 सीरीज खेलेगी। उसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। जनवरी-फरवरी में ही छह मैचों के लिए भारत न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। इंदौर, रांची और लखनऊ को भी एक-एक मैच की मेजबानी मिली है। इंदौर में 24 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, 27 जनवरी को रांची में पहला टी20 खेला जाएगा। 29 जनवरी को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड दूसरा टी20 खेला जाएगा। इस सीरीज का अंत अहमदाबाद में होगा।

भारत बनाम श्रीलंका सीरीज का पूरा दौरा कार्यक्रम

पहला टी20	तीन जनवरी को मुंबई में
दूसरा टी20	पांच जनवरी को पुणे में
तीसरा टी20	सात जनवरी, राजकोट
पहला वनडे	10 जनवरी, गुवाहाटी में
दूसरा वनडे	12 जनवरी, कोलकाता
तीसरा वनडे	15 जनवरी, त्रिवेंद्रम

भारत बनाम न्यूजीलैंड सीरीज का कार्यक्रम

पहला वनडे	18 जनवरी, हैदराबाद
दूसरा वनडे	21 जनवरी, रायपुर
तीसरा वनडे	24 जनवरी, इंदौर
पहला टी20	27 जनवरी, रांची
दूसरा टी20	29 जनवरी, लखनऊ
तीसरा टी20	एक फरवरी, अहमदाबाद

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 9 फरवरी से

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 9 फरवरी से शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा काफी महत्वपूर्ण होगा। इस दौरान दोनों टीमें पहले चार मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला टेस्ट नागपुर में नौ फरवरी से खेला जाएगा। इसके बाद 17 फरवरी से दिल्ली में दूसरा टेस्ट और एक मार्च से धर्मशाला में तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। नौ मार्च को अहमदाबाद में चौथा और आखिरी टेस्ट खेला जाएगा। अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी होना है। इस लिहाज से भारत को टेस्ट सीरीज जीतना जरूरी है। ऐसा भी हो सकता है कि भारत को यह सीरीज 4-0 से जीतना पड़े। साथ ही यह बॉर्डर-गावस्कर का आखिरी टेस्ट सीरीज है जिसमें चार टेस्ट खेले जाएंगे। आईसीसी के नए शेड्यूल के मुताबिक अब से भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में मैचों की संख्या चार से बढ़ाकर पांच कर दी गई है। टेस्ट सीरीज के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। यह मैच मुंबई, विशाखापट्टनम और चेन्नई में खेले जाएंगे।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

पहला टेस्ट
9 से 13 फरवरी, नागपुर में

दूसरा टेस्ट
17-21 फरवरी, दिल्ली

तीसरा टेस्ट
1-5 मार्च, धर्मशाला

चौथा टेस्ट
9-13 मार्च, अहमदाबाद

पहला वनडे
17 मार्च, मुंबई

दूसरा वनडे
19 मार्च, विशाखापट्टनम

तीसरा वनडे
22 मार्च, चेन्नई

रोहित शर्मा ने एनसीए पर उठाए सवाल

अनफिट खिलाड़ी देश के लिए खेल रहे : रोहित

मुंबई। बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच शनिवार को चटोग्राम में खेला जाएगा। दूसरे वनडे में रोहित शर्मा अंगुली में चोट लगा बैठे थे। इसके बावजूद भी वह बैटिंग करने उतरे और लगभग अपने दम पर भारत को मैच जिता ही दिया था। चोट की वजह से रोहित तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। वहीं, दीपक चाहर और कुलदीप सेन भी तीसरे वनडे में खेलते नहीं दिखेंगे। ये दोनों भी अनफिट होने की वजह से आखिरी मैच से बाहर हो गए हैं। दीपक चाहर दूसरे वनडे में सिर्फ तीन ओवर गेंदबाजी कर सके थे। इसके बाद वह ड्रेसिंग रूम में जाकर बैठ गए थे। वहीं, कुलदीप को पहले वनडे में खिलाने के बाद दूसरे वनडे से बाहर कर दिया गया था। रोहित ने कहा, यह ऐसी चीज है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है। हम यहां आधे फिट या यूं कहें अनफिट खिलाड़ियों का खेलना बर्दाश्त नहीं कर सकते। देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व और सम्मान की बात है और अगर वे पर्याप्त रूप से फिट नहीं हैं तो वह खेलने के लिए आदर्श नहीं हैं। अब हमें बस इसकी तह तक जाने और यह पता लगाने की जरूरत है कि इसके पीछे वास्तव में क्या कारण है। यह कहकर रोहित ने एनसीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

खिलाड़ियों का चोटिल होना चिंता का विषय

रोहित शर्मा ने कहा, मेरा मतलब है कि निश्चित रूप से कुछ चोट की चिंता का विषय हैं। हमें इसकी तह तक जाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि यह वास्तव है क्या या क्या हो रहा है। रोहित ने कहा, हो सकता है कि वे बहुत अधिक क्रिकेट खेल रहे हों। हमें कोशिश करने और सभी खिलाड़ियों पर नजर रखने की जरूरत है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब वे भारत के लिए खेलने आते हैं तो उन्हें 100 प्रतिशत या इससे भी अधिक फिट होने की आवश्यकता होती है। यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा और इस पर विचार करना होगा।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश टीम में जाकिर

मीरपुर। बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिये चोटग्रस्त तमीम इकबाल की गैरमौजूदगी में जाकिर हसन को टीम में शामिल किया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड बीसीबी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जाकिर को भारत-ए और बांग्लादेश-ए के बीच खेली जा रही अनौपचारिक टेस्ट मैच सीरीज के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय स्क्वाड में शामिल किया है। जाकिर ने पहले अनौपचारिक टेस्ट की दूसरी पारी में 173 रन बनाये, जिसकी बदौलत मेजबान टीम ने ड्रॉ खेला। इसके बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने दूसरे मैच की पहली पारी में भी 46 रन का योगदान दिया। गौरतलब है कि तमीम कमर में चोट लगने के कारण टीम से बाहर हैं। वह इस चोट के कारण तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले सके हैं। इसी बीच, अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहने वाले तस्कीन अहमद को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

नए क्लब से करार की खबरों पर रोनाल्डो ने तोड़ी चुप्पी

सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब से जुड़ने से किया इंकार

दोहा। इंग्लिश प्रीमियर लीग की दिग्गज फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड द्वारा कॉन्ट्रैक्ट रद्द किए जाने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल टीम में एक मात्र खिलाड़ी हैं, जो किसी क्लब में नहीं हैं। पुर्तगाल की टीम फिलहाल फीफा वर्ल्ड कप में खेल रही है और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में पहुंच गई है। स्पैनिश अखबार की रिपोर्ट में बताया गया था कि पुर्तगाल के कप्तान रोनाल्डो ने अल नस्र के साथ ढाई साल का करार किया है। साथ ही यह भी बताया गया था कि रोनाल्डो को अल नस्र में एक सीजन के लिए 1728 करोड़ रुपए 200 मिलियन यूरोज मिलेंगे। अब इस पूरे मामले पर रोनाल्डो ने चुप्पी तोड़ी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि रोनाल्डो ने अल नस्र के साथ अपने जुड़ने की खबरों का खंडन किया है। इन रिपोर्ट्स के बारे में जब रोनाल्डो से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि खबरें झूठी हैं। जब रोनाल्डो से मैच के बाद अल नस्र के साथ लिंक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह सही नहीं है, बिल्कुल सही नहीं है। यानी की रोनाल्डो की ओर से अल नस्र को अभी तक कोई ग्रीन लाइट नहीं मिली है। 37 साल के रोनाल्डो पांच बार बेलोन डीओर जीत चुके हैं और फिलहाल अपनी टीम पुर्तगाल को वर्ल्ड कप चैंपियन बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरे हैं। गौरतलब है कि रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड द्वारा कॉन्ट्रैक्ट रद्द किए जाने के बाद क्लब की कड़ी आलोचना की थी। रोनाल्डो ने क्लब के कुछ लोगों पर जबरन बाहर किये जाने के आरोप लगाए थे। रोनाल्डो ने यह भी कहा था कि क्लब और मैनेजर एरिक टेन हैग ने उन्हें धोखा दिया। उनके मन में एरिक टेन हैग के लिए कोई सम्मान नहीं है।

पहले दिन लाबुशेन व हेड के शतक

तीन विकेट पर 330 रन बनाकर मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुशेन (120 नाबाद) और ट्राविस हेड (114 नाबाद) के शतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को तीन विकेट के नुकसान पर 330 रन बना लिये। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। डेविड वॉर्नर 29 गेंदों पर चार चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हो गये, जिसके बाद उस्मान ख्वाजा और लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को आगे बढ़ाया। ख्वाजा ने सीरीज का अपना दूसरा अर्द्धशतक जमाते हुए 129 गेंदों पर नौ चौकों के साथ 62 रन बनाये और लाबुशेन के साथ 95 रन की साझेदारी की। वेस्ट इंडीज ने हालांकि उस्मान ख्वाजा के साथ स्टीव स्मिथ को भी शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन लाबुशेन और हेड विकेट पर टिके रहे।

लाबुशेन का तीसरी पारी में तीसरा शतक

लाबुशेन ने श्रृंखला की तीसरी पारी में अपना तीसरा शतक जड़ते हुए 235 गेंदों पर 11 चौकों के साथ नाबाद 120 रन बनाये, जबकि पिछले मैच में 99 रन पर आउट होने वाले हेड ने भी 139 गेंदों पर 12 चौके लगाकर 114 रन बना लिये। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों बल्लेबाज चौथे विकेट के लिये 199 रन जोड़कर विकेट पर मौजूद हैं। वेस्ट इंडीज के लिये पदार्पण करने वाले मार्किनो मिंडली लंच से पहले केवल दो ओवर ही फेंक सके और उन्हें मांसपेशी में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा।

दबंग दिल्ली ने प्लेऑफ में बनाई जगह

हैदराबाद। नवीन कुमार की प्रतिभा की अगुवाई में दबंग दिल्ली ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ 46-46 के स्कोर के साथ टाई पर खत्म किया, जिससे उन्हें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई में मदद मिली। दिल्ली के लिए जीत या टाई की जरूरत थी, उन्हें गचीबोवली इंडोर स्टेडियम में गुजरात जायंट्स को रेस से बाहर करने के लिए शाम के अंतिम रेड में रणनीतिक रूप से टाई अर्जित किया। हाई प्रेशर मैच में इस साल लीग में दो सर्वश्रेष्ठ रेडर्स का सामना हुआ और शुरुआती चरणों में बंगाल वॉरियर्स अधिक प्रभावी थे। जहां दबंग दिल्ली बोनस अंकों पर निर्भर थी, वहीं बंगाल वारियर्स ने भी स्पर्श अंक प्राप्त करके प्रत्येक रेड को अधिक मूल्यवान बना दिया। नतीजतन, पहले हाफ के अंत तक उन्होंने दबंग दिल्ली को दो बार ऑल आउट करके 25-19 की बढ़त बना ली। दबंग दिल्ली ने दूसरे हाफ में वापसी की, उनके डिफेंडर दीपक, विशाल और अमित हुड्डा ने न केवल नवीन की शानदार रेडिंग में मदद की, बल्कि मैट पर भी दबदबा बनाया और दबंग दिल्ली को मैच वापसी कराई।

ब्राजील के समक्ष क्रोएशिया की चुनौती

फीफा विश्वकप: पहला क्वार्टरफाइनल मुकाबला आज

अल रैयान । पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील फीफा विश्व कप 2022 के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में शुक्रवार को पिछली बार की उपविजेता क्रोएशिया का सामना करेगी। दोनों टीमें अपने-अपने सुपर-16 मुकाबलों में एशियाई प्रतिद्वंदी को हराकर आ रही हैं। ब्राजील ने जहां अपने पिछले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से रौंदा, वहीं क्रोएशिया को शीर्ष-8 में पहुंचने के लिये संघर्ष करना पड़ा। लुका मोड्रिक की टीम ने आधिकारिक समय 1-1 के ड्रॉ पर समाप्त होने के बाद जापान को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से मात दी। आमने-सामने के मुकाबलों में भी ब्राजील का पलड़ा क्रोएशिया पर भारी है। ब्राजील ने यूरोपीय प्रतिद्वंदी के खिलाफ चार में से तीन मैचों में जीत दर्ज की है जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। इनमें से दो मुकाबले विश्व कप में खेले गये थे। दोनों टीमें 2018 विश्व कप में भी आमने-सामने आयी थीं जहां ब्राजील ने नेमार जूनियर और रोबर्टो फिरमिनो के गोलों की मदद से जीत का परचम लहराया था। क्रोएशिया को इस मुकाबले में नेमार के अलावा रिचार्लीसन और कासेमीरो से भी सावधान रहना होगा। रिचार्लीसन ने जहां विश्व कप 2022 में तीन गोल किये हैं, वहीं कासेमीरो ने स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ निर्णायक गोल जमाया था।

मोड्रिक को दिखाना होगा जोरदार खेल

मिडफील्ड के जुझारू खिलाड़ी कासेमीरो से निपटने के लिये क्रोएशिया के कप्तान मोड्रिक को खुद आगे आना होगा। रिचार्लीसन के आक्रामक खेल को रोकने के लिये क्रोएशिया 20 वर्षीय जोस्को ग्वर्डिओल पर निर्भर रहेगा। ग्वर्डिओल इस विश्व कप में क्रोएशियाई रक्षण के महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं और उन्हें पार पाना रिचार्लीसन के लिये बड़ी चुनौती होगी। क्वार्टरफाइनल में नेमार को बेअसर करने की जिम्मेदारी मार्सेलो ब्रोजोविक पर होगी। मोड्रिक, इवान राकिटिक और माटेओ कोवासिक से सजी क्रोएशियाई मिडफील्ड में ब्रोजोविक के बारे में कम बात की जाती है लेकिन वह अपनी कौशल की कमी की भरपाई अपने स्टैमिना से करते हैं। ब्रोजोविक ने जापान के खिलाफ 16.7 किमी की दूरी तय करते हुए 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाये गये 16.3 किमी के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा था। यदि वह नेमार पर लगाम लगाने में विफल रहते हैं, तो क्रोएशिया को ब्राजील के अंतहीन आक्रमण का सामना करना पड़ेगा।

राधारमण क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

भोपाल। राधारमण आरजीपीवी नोडल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में राधारमण कॉलेज व टीआईटी कॉलेज के बीच मैच खेला गया जिसमें राधारमण कॉलेज जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में पहुंचा। राधारमण कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रवि के शानदार 50 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत आठ विकेट पर 103 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीआईटी कॉलेज के सात रन पर 5 महत्वपूर्ण विकेट गिर गए थे। टीआईटी की पूरी टीम 86 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। दूसरा मैच आईईएस कॉलेज और बंसल कॉलेज के बीच खेला गया, जिसमें आईईएस कॉलेज ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 92 रनों का लक्ष्य बंसल कॉलेज को दिया। बंसल की टीम 17.2 ओवर में 71 रन पर ऑल आउट हो गई। आईईएस ने 21 रनों से यह मैच जीता। राधारमण ग्रुप के वाइस चेयरमैन भूपेंद्र सिंह पटेल राधारमण कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डायरेक्टर डॉ शैलेंद्र लहरिया ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया।

इंडिया बाइक वीक का समापन

गोवा। एशिया का सबसे बड़ा बाइक फेस्टिवल इंडिया बाइक वीक 2022 में पेट्रोनास स्प्रिंटा के सहयोग से रोमांचक एडिशन देखने को मिला, जिसमें प्रतिदिन 10000 पैक्स की अधिकतम क्षमता मौजूद थी। मोटर साइकिलिंग के प्रति दीवानगी का जश्न मनाने और इसे साझा करने के लिए देशभर से कई पार्टिसिपेंट्स गोवा पहुंचे। दूसरे दिन राइडर्स को म्यूजिक से लेकर मोटर स्पोर्ट्स तक के अनूठे आयोजनों का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया गया। जबकि आईबीडब्लू ट्रैक मास्टर्स नेली एवं विशाक ने पार्टिसिपेंट्स को ट्रैक इवेंट्स की बुनियादी बातों पर शिक्षित किया। शार्दुल शर्मा, रेडबुल रोमानियाक्स में प्रतिस्पर्धा करनेवाले पहले भारतीय ने रेड डी हिमालय इंडियन नेशनल रैलिंग चैंपियनशिप ने अनुभव साझा किया। इंडिया बाइक वीक तथा पेट्रोनास स्प्रिंटा ने लीडिंग वूमेन बाइकर्स उर्वशी पटोले, समीरा दहिया, कल्याणी पोटेकर कलैवानी एवं दिव्या संधू की मेजबानी की।

चोटिल रोहित शर्मा के लिए पत्नी रितिका ने लिखा खास नोट, सूर्यकुमार यादव ने भी शेयर किया मैसेज

बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने चोटिल स्थिति में भी भारतीय टीम को मजबूती देने के लिए बल्लेबाजी की। रोहित शर्मा की जूझारू पारी देख कर हर कोई उनका मुरिद हो गया है। रोहित शर्मा की इस बल्लेबाजी के बाद उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने उनके लिए खास मैसेज शेयर किया है। रितिका ने रोहित के चोटिल अंगूठे की फोटो लेकर सोशल मीडिया पर शेयर की है। चोटिल अंगूठे की फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूं। मुझे तुम पर गर्व है। उस तरह से जाना और वो सब काम करना। बता दें कि रोहित शर्मा ने चोटिल होने के बाद अपने सूजे हुए अंगूठे के साथ ही बल्लेबाजी की थी। ग्लव्स से उन्होंने अंगूठे के हिस्से को काट दिया था ताकि उनके अंगूठे को बाहर रख सकें और बल्लेबाजी कर सकें। बता दें कि इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 51 रनों की नाबाद पारी खेली थी। हालांकि इस यादगार पारी को खेलने के बाद भी वो टीम को जीत नहीं दिला सके थे। भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यावद ने ट्वीट किया बहुत सम्मान भाई। बता दें कि सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा दोनों ही मुंबई इंडियंस में साथ खेलते है। इस ट्विट में उन्होंने रोहित शर्मा को भी टैग किया है। उनका ये ट्वीट काफी वायरल हो रहा है। इससे ये भी साफ है कि रोहित के लिए सूर्यकुमार यादव के दिल में बहुत सम्मान है।

कानिटकर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हरमनप्रीत

कहा-तालमेल बैठाने में कोई समस्या नहीं होगी

मुंबई । भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नवनियुक्त बल्लेबाजी कोच ऋषिकेश कानिटकर की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि टीम को उनके साथ तालमेल बैठाने में कोई समस्या नहीं होगी। कानिटकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान टीम की देखरेख करेंगे। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पुनर्गठन मॉड्यूल पर काम करते हुए पूर्व कोच रमेश पवार को बतौर स्पिन-गेंदबाजी कोच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी एनसीए में स्थानांतरित कर दिया है। इसी के साथ महिला टीम के कोच के रूप में पवार का दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

हरमनप्रीत ने पहले टी20 मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मैंने हमेशा रमेश सर के साथ काम करने का आनंद लिया है। हम उनके अधीन एक टीम के रूप में विकसित हुए हैं और बहुत कुछ सीखा है। उन्हें बतौर स्पिन-गेंदबाजी कोच एनसीए में स्थानांतरित करना बीसीसीआई का फैसला है। ऋषि सर हमारे साथ हैं। हम श्रीलंका में उनके साथ बहुत अच्छा अनुभव रहा। वह काफी अनुभव लेकर आये हैं और हम केवल आगे की ओर देख रहे हैं। हमारी टीम सही हाथों में हैं। हरमनप्रीत ने कहा, कानिटकर शांत हैं और हमें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो हमें मैदान पर शांति प्रदान कर सके। हमने अतीत में देखा है कि कभी-कभी महत्वपूर्ण स्थिति में, लड़कियों को किसी शांत व्यक्ति के समर्थन की आवश्यकता होती है जो उनके विचारों के माध्यम से उनका मार्गदर्शन कर सके। हाल ही में भारतीय पुरुष टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर गये कानिटकर ने श्रीलंका में बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में महिला टीम के साथ काम किया था। हरमनप्रीत ने कहा, उन्होंने हमें बल्लेबाजी इकाई के रूप में अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद की। श्रीलंका में कुछ मैच ऐसे थे जहां हमने शुरुआती विकेट खो दिये थे, लेकिन फिर भी हम 250 रन बनाने में सक्षम थे। जिस तरह से वह हमारे सामने चीजें पेश कर रहे थे, उससे हर कोई खुश था। हरमनप्रीत ने कहा, नये कोच के साथ काम करना मुश्किल होता, लेकिन हम पहले ही ऋषि सर के साथ काम कर चुके हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या होगी। एक नये कोच के साथ आपको यह बताना होगा कि हम कैसे काम कर रहे हैं और हम कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं। ऋषि सर पहले से ही इसके बारे में जानते हैं और यह ज्यादा बदलने वाला नहीं है। हम पिछले तीन महीनों में जिस तरह से खेलते आये हैं, उसी तरह से खेलना जारी रखना चाहते हैं और मुझे नहीं लगता कि हम जिस तरह से खेलते हैं उसमें हम ज्यादा बदलाव करेंगे।

हॉकी विश्व कप से पहले भुवनेश्वर राउरकेला में बिछीं नई पिचें

हॉकी इंडिया ने बताया, चार नई पिचें बिछाई गई

भुवनेश्वर। एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में चार नयी पिचें बिछायी गयी हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि कलिंगा स्टेडियम में मुख्य पिच के साथ-साथ अभ्यास पिच को फिर से बिछाया गया है, जबकि राउरकेला में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ एफआईएच द्वारा प्रमाणित बिल्कुल नयी पिचें बिछी हैं। पुरुष विश्व कप 2023 इस अत्यधिक प्रतिष्ठित आयोजन का 15वां संस्करण होगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले राउरकेला में नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम और भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जायेंगे। अगले साल 13 से 29 जनवरी तक होने वाले प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भारत सहित दुनिया भर की शीर्ष 16 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के लिये 16 टीमों को चार पूल में विभाजित किया गया है। गौरतलब है कि भारत इससे पहले 2010 और 2018 में भी पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी कर चुका है।

भारत पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन के साथ : भारत पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि एफआईएच द्वारा प्रमाणित सभी नयी पिचें उपयोग के लिये तैयार हैं। कलिंगा हॉकी स्टेडियम और बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम दोनों भाग लेने वाली टीमों और दर्शकों के लिये विश्व स्तरीय सुविधायें प्रदान करेंगे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब एक साथ मिलेंगी दो डिग्री

उत्तर प्रदेश की राजधानी में स्थित लखनऊ यूनिवर्सिटी में अगले एकेडमिक सेशन यानी 2023-24 से स्टूडेंट्स को डुअल डिग्री दी जाएगी। (LU) के एडमिशन सेल ने डुअल डिग्री को लेकर अपनी मंजूरी दे दी है। लखनऊ यूनिवर्सिटी एडमिशन काउंसिल ने एक बैठक के बाद इस फैसले को लिया। बैठक में एडमिशन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने इस साल अप्रैल में डुअल डिग्री पॉलिसी का ऐलान किया था। UGC ने कॉलेजों से आग्रह किया था कि सभी अपने-अपने यहां पर इसे लागू करें।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत डुअल डिग्री पॉलिसी की सिफारिश की गई थी। अब NEP के तहत ही लखनऊ यूनिवर्सिटी में भी स्टूडेंट्स को डुअल डिग्री दी जाएगी। वहीं, अब यूनिवर्सिटी द्वारा डुअल डिग्री सिस्टम का पालन किया जाएगा। इस तरह यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को अलग-अलग कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में ट्रांसफर किया जा सकेगा। इसके अलावा, स्टूडेंट्स के पास एक साथ दो डिग्री पूरी करने का भी ऑप्शन होगा।

लखनऊ यूनिवर्सिटी पहली ऐसी यूनिवर्सिटी है, जिसने Dual Degree Policy को लागू किया है। यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बैठक की थी और फिर पॉलिसी को लागू करने के लिए हामी भरी। यूजीसी का डुअल डिग्री प्रोग्राम स्टूडेंट्स को रेगुलर डिग्री के साथ-साथ दूसरी डिग्री हासिल करने का भी मौका देता है। दूसरी डिग्री भी पहली डिग्री की तरह ही पूरी तरह से वैलिड होगी। लखनऊ यूनिवर्सिटी गाइडलाइंस का एक विस्तृत सेट तैयार करने और पॉलिसी को सुचारू रूप से लागू करने को सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन करेगा। हालांकि, बैठक में इस बात का फैसला किया गया है कि स्टूडेंट्स द्वारा पहले से ही सब्मिट किए गए ट्रांसफर एप्लिकेशन को पुराने फॉर्मेट के अनुसार निपटाया जाएगा। अभी तक यूनिवर्सिटी ने 12 स्टूडेंट्स के एप्लिकेशन ट्रांसफर किए हैं। बैठक के दौरान इस बात का भी फैसला किया गया कि एमएससी फूड प्रोसेसिंग और फूड टेक्नोलॉजी की सीटों को आने वाले एकेडमिक सेशन में 30 से बढ़ाकर 40 कर दिया जाएगा।

इन खेलों में बना सकते हैं अपना बेहतर भविष्य

कतर में चल रहा फीफा विश्व कप कई मायनों में खास है। पहली बार यह न सिर्फ मध्य एशिया के किसी देश में आयोजित हुआ है, बल्कि पहली बार तमाम स्टेडियमों में नवीनतम एवं आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है। वहां निर्धारित स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे गेंद (फुटबाल) की पोजीशन एवं खिलाड़ियों को मानिटर किया जा सके गा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से रियल टाइम में डाटा हासिल हो सकेगा। मैच के निर्णय लेने में रोबोरेफरी भी अहम भूमिका निभाएंगे।

स्पोर्ट्स की शिक्षाएं: स्पोर्ट्स साइंस में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को 12वीं की परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण करनी होगी। अच्छी बात यह है कि देश के कई शैक्षणिक संस्थानों में स्पोर्ट्स साइंस से संबंधित डिप्लोमा, डिग्री एवं पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा, पीचडी तक करने के अवसर मौजूद हैं। कुछ संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला लिया जाता है। स्टूडेंट्स तीन वर्षीय बीपीईएस (बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स), बीएससी (हेल्थ एवं स्पोर्ट्स साइंस) कोर्स के साथ ही दो वर्षीय बीपीईडी एवं एपीईडी कोर्स भी कर सकते हैं। इसके अलावा, चेन्नई स्थित अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, मणिपुर के इंफाल स्थित नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी एवं अन्य विश्वविद्यालयों में भी इससे संबंधित कोर्स उपलब्ध हैं।

बुनियादी कुशलता = इन दिनों डिग्री के साथ-साथ कौशल पर भी काफी ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए स्टूडेंट्स को टीम वर्क, मैनेजमेंट, मोटिवेशन, कम्युनिकेशन एवं एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स पर खास काम करना होगा। इसके अलावा, उन्हें मानव संबंधी डाटा का आकलन करना आना चाहिए। वे जितनी दृढ़ता दिखाएंगे, अपनी फिजिकल फिटनेस पर जितना ध्यान देंगे, धैर्य रखेंगे उन्हें उतना ही फायदा होगा।

संभावनाएं: स्पोर्ट्स साइंस ग्रेजुएट्स के सामने विकल्पों की कमी नहीं होती है। वे अपनी रुचि के अनुसार, शैक्षणिक क्षेत्र अथवा कारपोरेट में काम कर सकते हैं। विभिन्न यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स आफिसर के रूप में भी नियुक्तियां होती हैं। इनके अलावा, वे कारपोरेट फिटनेस ट्रेनर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, टीम फिजियो (क्रिकेट, हाकी एवं अन्य स्पोर्ट्स), योग प्रशिक्षक के रूप में भी करियर शुरू कर सकते हैं। स्पोर्ट्स के अलावा स्वास्थ्य एवं सेल्स के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।

फिजियोथेरेपी

फिजियोथेरेपी में स्पेशलाइजेशन करके किसी खेल संगठन या अस्पताल के साथ जुड़ सकते हैं या अपना क्लिनिक शुरू कर सकते हैं। इनके स्पोर्ट्स कोच बनने की भी अच्छी संभावनाएं हैं। इन दिनों जिस तरह से खेलों के प्रति रुझान देखा जा रहा है और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण खिलाड़ियों को पहले से कहीं अधिक अपनी फिटनेस पर ध्यान देना हो रहा है, वैसे में एक्सरसाइज फिजियोलाजिस्ट के तौर पर भी करियर की शुरुआत की जा सकती है।

इसमें एथलीट्स को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उन्हें घायल होने से बचने के तरीके बताए जाते हैं। अपनी सेहत का ध्यान रखना सिखाया जाता है। जैसा कि सभी देख पा रहे हैं, आज कल खलाड़ियों को काफी मानसिक तनाव हो रहा है।

स्पोर्ट्स तकनीक के फायदे: आज यदि कोई खिलाड़ी या स्पोर्ट्स टीम परफार्मेंस, फ्लेक्सिबिलिटी, टेक्निक, एंड्योरेंस लेवल आदि का रियल टाइम डाटा हासिल कर पा रही है, तो उसमें टेक्नोलाजी बड़ी भूमिका निभा रही है। इस डाटा की मदद से खिलाड़ी अपने खेल अथवा प्रदर्शन को बेहतर कर पा रहे हैं।

मेहनत करने के बाद भी नहीं मिल रहा है प्रमोशन तो अपनाएं ये टिप्स

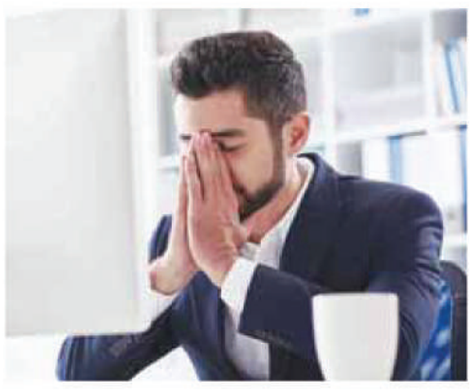

आज कल हर व्यक्ति बेहतर कार्य करना चाहता है। और अपना प्रमोशन चाहता है। बहुत से लोग बेहतर अप्रेजल के लिए जी तोड़ मेहनत करते है। और अपने कार्यालयय में दिन-रात काम ही काम करते है। लेकिन उसके बावजूद उनके बॉस और अन्य सहकर्मियों की नजर में उनकी यह कड़ी मेहनत किसी भी काम की नहीं रहती। इसी कारण वे लोग प्रमोशन के समय अपने साथियो की तुलना में प्रमोशन की दौड़ में पीछे छूट जाते है। अर्थात उनका प्रमोशन नहीं हो पाता। वे इससे वंचित रह जाते है। हर नौकरी करने वाले व्यक्ति के लिए साल का सबसे अहम दिन होता है...अप्रेजल का समय जब तक उनका प्रमोशन नहीं होता। तब तक उन्हें एक ही चिंता लगी रहती है कि इस वर्ष भी प्रमोशन होगा या नहीं। अगर आपके साथ भी इस प्रकार की समस्या है। तो आप हमारे द्वारा बताये जा रहे इन तरीको को अवश्य अपनाये। जिनसे आप प्रमोशन में आ रही बाधा से बच सकेंगे।

मदद के लिए सदैव तत्पर रहें: ऑफिस में अक्सर लोग अपने साथी कर्मचारी की मदद करने में दूर भागते है। परन्तु अगर आप कुछ बेहतर पाने की चाह रखते है। तो आप अपने सहकर्मियों की मदद जरूर करे। इससे आप बॉस की नजर में भी अपनी साफ छवि बनाने में कामयाब रहेंगे। साथ ही आपके प्रमोशन के चांसेस भी बढ़ेंगे।

अपने काम को दिखाने की कोशिश करें: आप सदैव ऑफिस में रहते समय अपने कार्य को कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाए। और जितना हो सके अपने कार्य को अच्छे ढंग से बेहतर तरीके से करके दिखाए। इससे अन्य सहकर्मी भी आपसे प्रेरित होकर अपना कार्य करेंगे। आपको अपने बॉस से भी कार्य के लिए सराहना मिलेगी।

सहकर्मी की बातों में न आए: आप कभी भी अपने सहकर्मियों की बातो में न आये। आप अपनी ऑफिस की दोस्ती को अपने काम के बीच में न लाये। नहीं तो यह गलती आपके प्रमोशन में बाधा डाल सकती है। अपना कार्य करे। और सही अवसर आने पर उसका पूरा फायदा उठाये।

दिल्ली मुंबई नहीं ये है देश का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन

इंडियन रेलवे को देश में यात्रा का सबसे किफायती और सुरक्षित साधन माना जाता है। आपने भी कभी तो रेलवे की यात्रा की होगी। अगर यात्रा नहीं की होगी तो रेलवे स्टेशन पर तो गए ही होंगे। आज हम आपको इंडियन रेलवे के बारे में कुछ इंट्रेस्टिंग फेक्ट बताने जा रहे हैं. आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन कौन सा है और किस शहर में है? देश का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन कहां है ये जानें इससे पहले जानते हैं कि आखिर जंक्शन होता क्या है? यदि एक स्टेशन से कम से कम 3 रूट गुजर रहे हों तो वह स्टेशन जंक्शन कहलाता है। इसका मतलब है कि स्टेशन में आने वाली ट्रेनों में कम से कम दो आउटगोइंग ट्रेन लाइनें होनी चाहिए. इसके साथ ही हम आपको एक और जानकारी दे देते हैं। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म दुनिया का सबसे लंबा स्टेशन है, जिसकी लंबाई 1,366 मीटर है. यह रिकॉर्ड पहले पश्चिम बंगाल के खड़गपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर 1,072 मीटर की ऊंचाई पर था। अब बात करते हैं देश के सबसे बड़े जंक्शन की। देश के सबसे बड़े जंक्शन से 7 रूटों पर ट्रेन जाती हैं। इस जंक्शन पर 10 प्लेटफॉर्म हैं और भारत के लगभग हर बड़े शहर के लिए यहां से कनेक्टिविटी है. यह जंक्शन यूपी के मथुरा का है। इसके बाद दूसरा नंबर छह रूट वाले सलेम जंक्शन का है, वहीं विजयवाड़ा और बरेली से पांच रूट से जाते हैं।

भारत में 8 रेलवे म्यूजियम हैं - दिल्ली, पुणे, कानपुर, मैसूर, कोलकाता, चेन्नई, घूम और तिरुचिरापल्ली में. दिल्ली में नेशनल रेलवे संग्रहालय भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला म्यूजियम है, जहां लाखों टूरिस्ट म्यूजियम की समृद्ध विरासत को देखने के लिए आते हैं। फेयरी क्वीन, दुनिया का सबसे पुराना लोकोमोटिव, म्यूजियम में टूरिस्ट के मुख्य आकर्षणों में से एक है. यह म्यूजियम एशिया का सबसे बड़ा रेल म्यूजियम भी है।

सामने आई 10वीं -12वीं बोर्ड एग्जाम की तारीख

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों एवं अभभिवावकों में परेशानी बढ़ जाती है। कई प्रदेश बोर्ड ने विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से बोर्ड परीक्षाओं के लिए दिनांक तय कर दी हैं, वहीं कई बोर्ड ने अस्थायी दिनांक घोषित कर दी हैं। वहीं CBSE एवं CISE ने अब तक टेंटेटिव डेटशीट भी जारी नहीं की है, लेकिन अन्य प्रदेश बोर्डों की भांति परीक्षाएं फरवरी-मार्च के आसपास आरम्भ होने की संभावना है। आइए जानते हैं कि किन किन प्रदेशों ने बोर्ड परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है।

MPBSE 2023: महाराष्ट्र बोर्ड एग्जाम

महाराष्ट्र राज्य बोर्ड ने माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (SSC) एवं उच्चतर माध्यमिक प्रमाणपत्र (HSC) परीक्षाओं के लिए अस्थायी दिनांकों का ऐलान किया है। एचएससी परीक्षाओं की संभावित तिथियां 21 फरवरी से 20 मार्च तक हैं, जबकि एसएससी परीक्षाएं 2 मार्च से 25 मार्च तक आयोजित होने की संभावना है। एचएससी परीक्षाओं की संभावित दिनांक 21 फरवरी से 20 मार्च तक हैं, जबकि एसएससी परीक्षाएं 2 मार्च से 25 मार्च तक आयोजित होने की संभावना है।

मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षाएं 2023

हाल ही में मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने ऐलान किया है कि मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमपीबीएसई) 13 फरवरी से 31 मार्च तक कक्षा 10 और 12 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करेगा। वहीं राज्य बोर्ड प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 फरवरी से आरम्भ करेगा जो कि 28 फरवरी को ख़त्म होंगे। थ्योरी एग्जाम 1 मार्च से आरम्भ होकर 31 मार्च तक जारी रहेंगे।

गोवा में हो रहे टर्म एग्जाम

गोवा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर एजुकेशन बीते वर्ष की भांति दो टर्म में परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। यहां एसएससी के लिए टर्म 1 की परीक्षा 10 नवंबर से चल रही है जोकि 29 नवंबर को समाप्त होगी। वहीं एचएसएससी की परीक्षा भी 10 नवंबर से शुरू हुई थी जो 23 नवंबर को समाप्त होगी। 10वीं कक्षा के लिए सेकेंड टर्म थ्योरी परीक्षा 1 अप्रैल से आरम्भ होगी एवं प्रैक्टिकल परीक्षा 1 मार्च से आयोजित की जाएगी। 12वीं की थ्योरी परीक्षा 1 मार्च से आरम्भ होगी, जबकि प्रैक्टिकल परीक्षा 1 फरवरी से होगी। NSQF की प्रैक्टिकल परीक्षा 7 फरवरी से आरम्भ होगी।

तमिलनाडु बोर्ड परीक्षा 2023

तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग की तरफ से जानकारी दी गई है कि वर्ष 2023 की कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं क्रमशः 6 अप्रैल एवं 13 मार्च से आरम्भ होंगी। यहां 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 6 से 20 अप्रैल तक होंगी। जबकि 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 13 मार्च से शुरू होकर 6 अप्रैल तक चलेंगी। बोर्ड की कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षाएं फरवरी के पहले हफ्ते से फरवरी के दूसरे हफ्ते या मार्च तक होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल एचएससी बोर्ड परीक्षा

पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ऐलान किया कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा 23 फरवरी से आरम्भ होकर 4 मार्च तक चलेगी, परीक्षाएं सुबह 11:45 बजे से आरम्भ होगी एवं दोपहर 3 बजे समाप्त होगी।

परीक्षा हॉल में पहले 15 मिनट क्वेश्चन पेपर पढ़ने के लिए होंगे। इस बीच, प्रैक्टिकल एग्जाम 5 दिसंबर से 21 दिसंबर के बीच होंगे।

15 फरवरी से CBSE की शुरू हो सकती है परीक्षा

CBSE 10वीं, और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2023, 15 फरवरी 2023 से आरम्भ हो सकती है। बोर्ड ने 2021-22 परीक्षा के परिणाम जारी करते समय इस बात की जानकारी दी थी। ऐसे में अब विद्यार्थियों को पूरे टाइम टेबल का इंतजार है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शीघ्र ही 10वीं, 12वीं की परीक्षाओं का टाइमटेबल घोषित कर सकता है। बोर्ड ने सितंबर 2022 में एक नोटिस जारी कर खबर दी थी कि बोर्ड परीक्षाएं मार्च 2023 से और प्री-बोर्ड व प्रैक्टिकल्स फरवरी 2023 में आयोजित किए जाएंगे। अब विद्यार्थियों को अपनी डिटेल्ड डेटशीट का इंतजार है, जो जल्द समाप्त हो सकता है। यूपीएमएसपी जल्द ही अपने ऑफिशियल पोर्टल पर UP Board Date Sheet 2023 जारी कर सकता है।

रिवीजन से पहले आप भी रखें इन बातों का खास ध्यान

जैसे-जैसे बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आने लगती है, उसी तरह बच्चे अपनी तैयारियों पर अधिक जोर देने लगते हैं। बच्चे बेहतर परिणाम के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाते हैं। बोर्ड की परीक्षा अन्य कक्षाओं की परीक्षा की अपेक्षा बच्चों के लिए थोड़ी मुश्किल होती हैं। छात्रों को इसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती हैं। अगर एक प्लानिंग के तहत आप बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करेंगे, तो आप अवश्य इसमें बेहतर परिणाम ला सकते हैं।

सिलेबस पर ध्यान देना जरूरी: परीक्षा के लिए तैयारी शुरू करने से पहले आप इसके लिए टाइम टेबल जरूर बना ले। और टाइम टेबल बनाते समय यह जरूर ध्यान रखे कि, आपका टाइम टेबल सिलेबस के आधार बना होना चाहिए। आप ध्यान रखे कि, विद्यालयों में शिक्षक भी पढ़ाई जल्द पूरी कराने के लिए सिलेबस को ही आधार बनाते हैं।

कठिन विषयों को दे प्राथमिकता: ऐसे विषयों की तैयारी पहले करे या अधिक समय दे जो आपको पढ़ने में कठिन लगते हो। अगर इन्हें आप ज्यादा तवज्जो देंगे तो आप परिणाम भी बेहतर पाएंगे।

किसी भी विषय को कमतर ना आंके: आप जब रिवीजन के लिए बैठे तब हर विषय की पढाई बारी-बारी से करे। किसी एक विषय को तवज्जो देना ठीक नहीं है। आप ये न सोचे कि, यह विषय आसान हैं या इसमें मुझे महारत हासिल है। आपकी यह लापरवाही आप पर ही भारी पड़ सकती है। क्योंकि परीक्षा में सिलेबस में से कही से कुछ भी पूछा जा सकता है।

GENERAL KNOWLEDGE

कप' किस खेल से संबंधित है?
उत्तर- बैडमिंटन

- 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' की शुरुआत किस वर्ष हुई?
उत्तर- 1985

-'बाराबती स्टेडियम' कहां अवस्थित है?
उत्तर- कटक

-'यूरो कप' किस खेल से संबंधित है?
उत्तर- फुटबॉल

-'राष्ट्रीय खेल संस्थान' कहां अवस्थित है?
उत्तर- पटियाला

-'सनी डेज' नामक चर्चित पुस्तक किसकी है?
उत्तर- सुनील गावस्कर

-अर्जुन पुरस्कार की शुरुआत किस वर्ष हुई?
उत्तर-1961 में

-आगा खां कप का संबंध किस खेल है?
उत्तर- हॉकी

-इंदिरा गांधी स्वर्ण कप का संबंध से किस खेल से है?
उत्तर- अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता

-ईडन गार्डन स्टेडियम भारत में कहां पर स्थित है?
उत्तर- कोलकाता

-ओलपिंक खेलों में पदक जीतने वाली प्रथम महिला खिलाड़ी कौन है?
उत्तर- कर्णम मल्लेश्वरी

-कबड्डी के खेल में प्रत्येक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या होती है?
उत्तर- 7

-कितने वर्ष के अंतराल पर ओलम्पिक खेल आयोजित किए जाते हैं?
उत्तर- 4

-किस खेल का मैदान सबसे बड़ा होता है?
उत्तर- पोलो

-किस मैगज़ीन को क्रिकेट की बाइबिल कहा जाता है?
उत्तर- विजडन

-कौन सी भारतीय महिला खिलाड़ी 'पायली एक्सप्रेस' के नाम से जानी जाती है?
उत्तर- पी. टी. उषा

-कौनसा पुरस्कार 'Cricket का ऑस्कर' कहलाता है?
उत्तर- ICC पुरस्कार

-क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय संस्था है?
उत्तर - ICC (International Cricket Council)

-क्रिकेट खेल की शुरुआत किस देश में हुई थी?
उत्तर- इंग्लैंड (पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच 1844 के बाद खेला गया था)

-क्रिकेट में पॉपिंग क्रीज की माप होती है?
उत्तर- 4 फुट

-क्रिकेट में भूमि से स्टम्प्स की ऊंचाई होती है?
उत्तर- 27 इंच

-ज्योति रंधावा, जीव मिल्खा सिंहव टाइगर वुड किस खेल के प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
उत्तर- गोल्फ

-टर्बिनेटर के नाम से किस खिलाड़ी को जाना जाता है?
उत्तर- हरभजन सिंह

-देवधर ट्रॉफी किस खेल से संबंधित है?
उत्तर- क्रिकेट

-क्रिकेट का मूल नाम क्या है?
उत्तर- गोल गट्टम लक्कड़ पट्टम दे दना दन

-पुस्तक 'क्रिकेट माई स्टाइल' के लेखक कौन हैं?
उत्तर- कपिल देव

-प्रथम ओलंपिक खेल किस वर्ष आयोजित किये गये थे?
उत्तर- 1896

-फिरोजशाह कोटला ग्राउण्ड स्थित है?
उत्तर- दिल्ली

-बटर फ्लाई' शब्द किस खेल से संबंधित है?
उत्तर- तैराकी

-बीमर शब्द का सम्बन्ध किस खेल से है?
उत्तर- क्रिकेट

-बैडमिंटन में नेट की जमीन से ऊंचाई क्या होती है?
उत्तर- 1.59 मीटर

12 घण्टे के अन्दर युवती की हत्या का खुलासा

प्रखर मिजार्पुर। क्षेत्रान्तर्गत मिश्रपुर में गंगा नदी के किनारे एक युवती का शव होने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण व फॉरेंसिक, डॉग स्क्वाड टीमों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। मृतका के भाई बृजेश कुमार

प्रेमी ही निकला प्रेमिका का हत्यारा

निषाद पुत्र स्व0उमाशंकर निषाद निवासी नगवासी थाना जिगना जनपद मीरजापुर से तहरीर प्राप्त कर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना जिगना पर मु0अ0सं0-175/2022 धारा 302 भादवि बनाम विकास निषाद पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। घटना के सफल अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में स्वाट/सर्विलांस, एसओजी व थाना जिगना की पुलिस टीमें गठित कर घटना का यथाशीघ्र अनावरण करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा इलेक्ट्रानिक/सर्विलांस एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 12 घण्टे के अन्दर घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त विकास निषाद पुत्र शिव कुमार निषाद निवासी मिश्रपुर थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अदद 365 ब्लेड बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त विकास निषाद उपरोक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उसका मृतका से पूर्व से ही प्रेम सम्बन्ध था तथा दोनो को परिजनों द्वारा पूर्व में भी प्रेम प्रसंग में पकड़ा गया था। इसी बीच युवती के द्वारा विकास से बताया गया कि वह गर्भवती है तो अभियुक्त द्वारा विकास निषाद द्वारा गर्भपात हेतु दवा उपलब्ध करायी गयी थी परन्तु युवती द्वारा दवा के सेवन से इंकार कर दिया गया। जिससे क्षुब्ध होकर अभियुक्त विकास द्वारा मिलने के बहाने युवती को अपने गांव मिश्रपुर में गंगा के किनारे बुलाया गया तथा युवती की गला दबाकर हत्या कर दी गयी तदोपरान्त युवती के गले को ब्लेड से काट दिया गया।

"प्रकृति सुरक्षा जीवन रक्षा हेतु डैफोडिलियन कब, बुलबुल द्वारा जागरूकता अभियान"

प्रखर मीरजापुर। डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल लोहिया तालाब, मीरजापुर में कब व बुलबुल ने अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत पशु व पक्षियों की सुरक्षा हेतु एक जागरूकता अभियान आयोजित किया ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नुक्कड़ नाटक, पक्षियों को दाना- पानी की व्यवस्था, उनके घोसले व बैठने हेतु अपने स्काउट के सहयोग से पायनियरिंग प्रोजेक्ट के अंतर्गत गैजेट तैयार कर विद्यालय में कुल 10 चिन्हित पॉइंट पर स्थापित किया व प्रकृति को सजाने व सवारने में मुख्य रूप से पशु पक्षी व वृक्षों का महत्वपूर्ण योगदान होता है इसी क्रम को व्यवस्थित करते हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रकृति सुरक्षा ही है। इस अभियान के माध्यम से समस्त बच्चों को यह सन्देश दिया। आदरणीय प्रिंसिपल कंचन श्रीवास्तव डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर C.B.S.E. (मुख्य आयुक्त-गाइड) के संरक्षण में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु कोआर्डिनेटर आदरणीय निहारिका मैम ने कब बुलबुल को प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु स्कूल के डायरेक्टर अमरदीप सिंह व अपराजिता सिंह ने बधाई दिया एवं भविष्य में प्रकृति रक्षा हेतु ऐसे कार्यों को करने हेतु प्रेरित किया। इस अभियान का सफल आयोजन स्काउट शिक्षक संजय कुमार ने किया।

देसी शराब की दुकान को हटाने की मांग करते हुए महिलाओं ने किया हंगामा

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव स्थित देशी शराब की दुकान पर दर्जनों की संख्या में गांव की महिलाओं ने पहुंच कर किया हंगामा। ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाते हुवे बताया कि दुकान भगौती देई के नाम से एलाट है। पर दुकान को सोनपुर में खोला गया है। जिससे दुकान के आसपास काफी भीड़ लगा रहता है एवं उत्पाती शराबिय आए दिन आपस में गाली गलौज करते रहते हैं। जिससे राहगीरों समेत महिलाओं को आने-जाने में दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। इससे आजिज होकर महिलाओं ने दुकान पर पहुंचकर सेल्समैन को भला-बुरा कहते हुए दुकान को बंद करा दिया। वही हंगामे की सूचना पर मौके पर

पहुंचे प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह महिलाओं को समझा-बुझाकर घर भेजा वही ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों को यह आश्वासन दिया कि आबकारी विभाग से वातार्लाप कर मामले का निस्तारण जल्द से जल्द कराया जाएगा प्रभारी निरीक्षक के आश्वासन के बाद महिलाएं एवं ग्रामीण शांतिपूर्वक अपने घरों को लौट गए उपस्थित रहने वालों में कृतीया देवी, किस्मतिया देवी, भागमती देवी, रीता देवी, रीना देवी समेत ग्राम प्रधान मनोज कुमार सिंह पटेल मौजूद रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने की बैठक, तहसील स्तर के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य हुए उपस्थित

प्रखर गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य के संग एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सभी राजकीय विद्यालय, मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य उपस्थित हुए ।बैठक में उपस्थित प्रधानाचार्यो को पठन-पाठन से संबंधित विषयों पर वार्ता करते हुए दिशा निर्देश भी दिया गया। बताया जाता है कि अष्ट शहीद इंटर कॉलेज मुहम्दाबाद पर यह सभा संपन्न हुई। सभा में उपस्थित जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक नाथ तिवारी ने तहसील अंतर्गत तीन राजकीय विद्यालय, 20 अनुदानित विद्यालय और 55 मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य को संबोधित किया । जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि उपस्थित प्रधानाचार्य के साथ बैठक का मुख्य विषय राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के कार्यक्रमों को प्रभावी

ढंग से लागू करना है। नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावशाली क्रिया हेतु कार्य को करना है। दूसरी तरफ आगामी 2023 में होने वाली बोर्ड की परीक्षा के प्रति निष्पक्षता, नकल विहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा को संपन्न कराना है। पत्र प्रतिनिधि के पूछने पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि छात्र छात्राओं को पठन-पाठन एवं शिक्षा से संबंधित किसी भी कठिनाई को मुझे बताया जाए। किसी भी समस्या के निवारण हेतु तत्काल कार्रवाई की जाएगी ।इस सभा की अध्यक्षता अष्ट शहीद इंटर कॉलेज मुहम्मदाबाद के प्रधानाचार्य शिव शंकर गिरि ने किया। संचालन चौधरी दिनेश चंद्र राय ने किया। उपस्थित लोगों में सदाशिव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अच्युतानंद राय, इंटर कॉलेज गोडऊर के प्रधानाचार्य बृजेश पाठक व अन्य प्रधानाचार्य उपस्थित थे। अंत में सभा अध्यक्ष ने सबको धन्यवाद दिया।

किशोरियों के अधिकार एवं उनके सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

प्रखर मीरजापुर। नरायनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत समदपुर में बाल संरक्षण समिति के सदस्य,विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य अध्यक्ष, ग्राम पंचायत प्रधान, सदस्यों व प्रेरकों के साथ बैठक किया गया। ब्लॉक समन्वयक राघवेंद्र कुमार द्वारा लोगों का अभिवादन करते हुए कार्यक्रम का शुरूआत किया गया जिसमें कार्यक्रम का उद्देश्य तथा सदस्यों की जिम्मेदारी व भूमिका किशोरी समूह के सदस्यों की जिम्मेदारी और उनकी भूमिका आदि पर विस्तार से बताया और निम्न बिंदुओं पर चर्चा किया गया हमारे संवैधानिक मौलिक अधिकार संवैधानिक मौलिक कर्तव्य महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार पर चर्चा अधिकार के हनन से संबंधित कानूनों पर चर्चा ग्रामीण स्तरीय बाल संरक्षण समिति पर चर्चा किया गया। उसके पश्चात नई पहल परियोजना के जिला समन्वयक रतन कुमार मिश्रा के द्वारा शिक्षा के महत्व तथा मानव अधिकार पर चर्चा करते हुए निम्न बिंदुओं पर जानकारी दिया गया बाल अधिकार पर चर्चा सामाजिक सुरक्षा योजना विद्यालय प्रबंधन समिति के कार्य एवं उद्देश्य बाल विवाह,बाल श्रम,बाल तस्करी की रोकथाम व हेल्पलाइन नंबर पर चर्चा शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 पर चर्चा उपरोक्त बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा करने के बाद किशोरियों को ग्राम प्रधान धर्म शीला देवी के द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र तथा उन्हें टी-शर्ट दिया गया। बैठक में लक्ष्मी नारायण धर्म शिला देवी कांति देवी ज्योति इंद्रावती देवी सुशीला देवी कालिंदी उर्मिला सुशीला देवी मुन्नी देवी आशा मालती पुष्पा देवी रेनू जायसवाल इत्यादि 60 लोग मौजूद रहे।

मशहूर नौहा खां इब्बू खां की 40वें की मजलिस 11 दिसंबर को

प्रखर जौनपुर। मशहूर नौहा खां इब्ने हसन इब्बू खां की मजलिस-ए-चेहलुम 11 दिसंबर दिन रविवार को सुबह 9.30 बजे से इमामबाड़ा कल्लू मरहूम में रखी गई है। इब्ने हसन इब्बू खां का निधन पिछले 11 नवंबर को उनके निजी आवास अलहदी प्रेस के पास लंबी बीमारी के बाद हुआ था इब्ने हसन इब्बू खां नौहाखानी के उस्ताद कहे जाते थे इब्ने हसन को सन 2009 में जनपद के मोहम्मद हसन पीजी कालेज में बेस्ट नौहा खां के खिताब से सम्मानित भी किया गया था इब्ने हसन इब्बू खां की चालीसवे की मजलिस की शुरूआत सोजखानी से की जाएगी जिसको अली काविश और उनके साथी करेंगे मजलिस को खेताब करेंगे आली जनाब मौलाना डा. सै अबूजर जैदी साहब किब्ला जो मुजफ्फरनगर से तशरीफ ला रहे हैं। बाद खत्म मजलिस जौनपुर की मशहूर अंजुमन मासूमिया सिपाह नौहा मातम करेंगी इब्ने हसन इब्बू खां के बेटे अली हैदर मीनू खां ने ज्यादा से ज्यादा लोगो के पहुंचने की खास गुजारिश की है।

अब भारत के शहरों में शुरू होगा मिशन काशी का प्रीमियर

प्रखर वाराणसी। डायरेक्टर विवेक श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित वेब सीरीज मिशन काशी का प्रीमियर भारत के मुंबई शहर से शुरू हो चुका है और अब एक एक कर भारत के अन्य शहरों में प्रीमियर होने जा रहा है जिसमें विश्व का सबसे पुराना शहर काशी भी है। 7 दिसंबर २०२२ को वाराणसी में होगा मिशन काशी के थियेटर में होने वाला है प्रीमियर। मिशन काशी हॉलीवुड प्रोड्यूसर मुकेश मोदी द्वारा निर्मित है, इसके पहले भी वो ऑस्कर नॉमिनी अभिनेता के साथ अपनी मोवियर एलिवेटर ला चुके है जिनके लिए उन्हें विश्व भर में बहुत सम्मान मिल चुका है। मुकेश मोदी अभी भारत में है और मिशन काशी उनके लिए खास प्रोजेक्ट है क्यूंकि वो देश सेवा में काफी यकीन रखते हैं और पूरे विश्व में वो भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।

मिशन काशी में मुख्य भूमिका ये अभिनेता निभा रहे है: डी एस पी अनिरुद्ध सिंह, ममता

राय, उत्कर्ष वर्मा, अरविंद सिंह, सोनू चौबे, यशवीर चौधरी, पृथ्वी जुत्शी, राघव, मनीष, सागर वर्मा, सुजीत अस्थाना आदि।

विवेक श्रीवास्तव बॉलीवुड के जाने माने डायरेक्टर है और वी रेड लैंड, व पंकज त्रिपाठी, सन्नी देओल, और बॉलीवुड के अन्य महानायकों को अपने पिक्चरों में निर्देशित कर चुके है।

इंडी फिल्म्स वर्ल्ड पर होगी रिलीज: मिशन काशी इंडी फिल्म्स वर्ल्ड एप्लिकेशन पर रिलीज होगी जिसे आप घर बैठे कहीं भी देख सकते है । आप इस एप्लिकेशन को एप्पल आई स्टोर और ऐंड्रॉयड पे डाउनलोड कर सकते है। मिशन काशी का प्रीमियर हॉलीवुड, न्यू यॉर्क, लॉस एंजलिस बाकी विदेशो के शहरों में किया जा चुका है, और उनका रेस्पॉन्स काफी बेहतरीन आ रहा है। मिशन काशी भारत में चल रही अतंकवादी गतिविधियों व सामाजिक बुराई के खिलाफ आवाज उठाती है, और एकता का संदेश देती है। अनिरुद्ध सिंह एक असल ऑफिसर के साथ साथ बेहतरीन अभिनेता भी है। और अब तक कई बॉलीवुड पिक्चर वो कर चुके है।

बाल विवाह एक अभिशाप

प्रखर वाराणसी। बाल विवाह एक ऐसा अभिशाप है, जो किसी भी बालक या बालिका के न सिर्फ वर्तमान बल्कि उसके पूरे जीवन चक्र को प्रभावित करता है` यह किसी बालिका के जीवन को विकास, सुरक्षा और सहभागिता के अधिकारों को पूरी तरह से वंचित कर देता है उपरोक्त विचार बाल विवाह प्रभावितों की आपबीती कार्यक्रम में विभिन्न पैनलिस्ट ने अपने वक्तव्यो से कही` विभिन्न आयु वर्ग की 11 बालिकाओं व महिलाओं ने अपनी-अपनी आपबीती में कम उम्र में हुए विवाह से उनके जीवन में हुई दुश्वारियो पर अपना दर्द बयाँ किया अमरपुर बटलोइया की फिरोजा, दानियालपुर की चांदनी, राजातालाब की प्रीति, मुनारी की पूनम आदि ने कम उम्र में विवाह, 18 वर्ष पहले बच्चे, पति और ससुराल की प्रताड़ना और उनसे उत्पन्न दुश्वारियो की चर्चा की वही पुलकोहना की रिया, चंद्रा चौराहे की मंशा, हरिश्चंद्र घाट की दामिनी आदि ने भी कम उम्र में हुए विवाह, पति के नशे की आदत, घरेलू कलह, लड़के की

चाह में लगातार लड़कियों के पैदा होने और उसके कारण ससुराल से निकाल दिए जाने के कारण मायके में भी हो रही उत्पीड़न को बयान करते हुए सरकार से मदद की गुहार लगाई वही रोल मॉडल के रूप में उपस्थित संध्या ने बाल विवाह के दंश से उबरकर पुनः अपने पैरो पर खड़े होने और अन्य को भी राह दिखाने कि बात रखी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रोली सिंह ने प्रत्येक केसेज के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रत्येक मामलों में अब तक की कार्यवाहियों और उनकी प्रत्याशाओ से पैनलिस्ट को अवगत कराया। डॉ.शम्भुनाथ सिंह रिसर्च फाउंडेशन (एस.आर.एफ.) द्वारा अपनी सहयोगी संस्था चाइल्ड राइट्स एंड यू (क्राय) तथा महिला कल्याण विभाग, वाराणसी के सहयोग से पाण्डेयपुर स्थित वन स्टॉप सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य बाल अधिकार आयोग, डालसा, पुलिस, महिला कल्याण व अकादमिक क्षेत्र के पैनलिस्ट ने उत्पीड़िता / बाल विवाह पीड़िताओं की आपबीती सुनकर उस पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रथम पैनलिस्ट राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की माननीय सदस्य श्रीमती निर्मला सिंह पटेल ने कहा कि बाल विवाह बालक के पूरे जीवन को प्रभावित करता है, अतः हम सभी का कर्तव्य है कि अपने समाज में घटित हो रहे इस कुप्रथा पर नजर रखें और इसे जड़ से समाप्त करें`

आयोग के एक अन्य सदस्य इंजी. अशोक यादव ने भी बाल विवाह की रोकथाम के लिए देश-प्रदेश और आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि ह्लहम सभी का यह कर्तव्य है कि कोई भी बच्चा बाल विवाह के दुष्चक्र में ना फसे अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री प्रमोद कुमार गिरि ने कहा कि ह्लकोई भी बाल विवाह से पीड़ित बालक / बालिका अपने विवाह को शून्य कराने तथा बाल विवाह से उत्पन्न बच्चो के भरण पोषण के लिए डालसा से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है और अन्य प्रस्तुत मामलों में भी डालसा द्वारा उसकी पूरी सहायता की जाएगी।

मदन भैया ने भेदा बीजेपी का किला, भारी बहुमत से विजयी: अभिषेक उपाध्याय

प्रखर खतौली। नवम्बर 2022 को खतौली के उपचुनाव में जयंत चौधरी के द्वारा अचानक मदन भैया को उम्मीदवार बनाना सभी को आश्चर्यचकित कर गया, क्योकि मदन भैया पहले ही तीन बार चुनाव हार चुके थे, और वे खतौली विधानसभा के बाहरी कैंडिडेट भी थे, इससे कुछ रालोद के नेता नाराज भी हुए और रालोद छोड़ भाजपा में शामिल हो गए, खतौली से उम्मीदवार घोषित होने के बाद मदन भैया के लिए भी एक चुनौती सामने खड़ी हो गयी, की चुनाव को कैसे जीता जाये वो भी उस सीट को जो पहले से ही भाजपा दो बार जीत चुकी है, ऊपर से भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने भी खतौली का दौरा करना शुरू कर दिया, यहाँ तक की योगी आदित्यनाथ भी चुनाव प्रचार करने खतौली पहुंचे, इससे चुनौती और बढ़ गयी, अब भाजपा के किले को भेदना बहुत मुश्किल होने लगा, इसी बीच मदन भैया को अचानक अभिषेक उपाध्याय की याद आयी जिन्हे राजनितिक चाणक्य कहा जाता है और भाजपा के रण को भेदने की जिम्मेदारी

अभिषेक उपाध्याय को दे दी गयी, चुनाव का समय केवल दस दिन बचा था और बीजेपी के किले को भेदना हर किसी के लिए चुनौती थी लेकिन अभिषेक उपाध्याय ने इस चुनौती को स्वीकार किया और दस दिन के लिए मदन भैया के रणनीतिकार बन गए और सारे मैनेजमेंट को अपने हाथों में लेकर चुनाव की दशा और दिशा दोनों को बदल दिया और जब आठ दिसंबर को चुनाव के नतीजे सामने आये तो सभी को चौकाने वाले थे, मदन भैया लगभग बाईस हजार वोटों से चुनाव जीत गए, इसलिये कहा जाता है की रण को रणनीति से ही जीता जा सकता है, चुनाव जीतना है तो अच्छा सलाहकार आपके पास होना बहुत जरुरी है।

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से दो किसानों की फसल नष्ट

प्रखर चकिया चन्दौली। चकिया तहसील क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले ग्राम सभा अमरा में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से दो किसानों कि फसल नष्ट हो गयी,बताया जाता है कि फसल खलिहान में रखा गया था, इसी बीच संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक ही आग पुआल में आग लग गयी जिससे कि तेजी से आग पुआल में फैल गयी, वही बगल में खेतो से काटकर रखी गयी धान कि फसल भी आग कि चपेट में आ गयी,जिससे

कि धान कि फसल भी तेजी से जलने लगा, वही आस पास के लोगों द्वारा फसल को जलता देख तुरंत ही आग पर काबू पाने कि कोशिश कि गयी,वही आग लगने कि सूचना ग्रामीणों द्वारा फायर ब्रिगेड को दी गयी वही सूचना के बाद फायर ब्रिगेड कि टीम भी मौके पर पहुंची जिसके बाद आग पर काबू पाया गया वही किसानों द्वारा बताया गया कि लगभग 3 बीघे कि फसल व पुवाल जल कर नष्ट हो गयी है।

उपचुनाव मैनपुरी में डिंपल यादव की जीत पर बधाई : शशिप्रताप सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रासपा संयोजक शशिप्रताप सिंह ने डिम्पल यादव की जीत पर बधाई देते हुए कहा कि मैनपुरी लोकसभा में मेरे पार्टी द्वारा प्रचार डिम्पल जी के लिये वरदान सावित हुआ एक महिला के सम्मान की जीत है नेता जी की श्रधांजलि

की जीत है और छोटे नेता जी मेरे मित्र की जीत है उपचुनाव मैनपुरी के प्रचार में बारी बारी से रासपा संयोजक सहित राष्ट्रीय महिला मंच अध्यक्ष राष्ट्रीय व प्रदेश कमेटी के लोगो द्वारा किया गया मेहनत का फल मिला है।

नई पहल परियोजना के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया

प्रखर मिजार्पुर। नई पहल शिक्षा परियोजना के जिला समन्वयक रतन कुमार मिश्रा खंड समन्वयक राघवेंद्र कुमार ग्राम पंचायत समदपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ती किशोरी की मां विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जिला समन्वयक रतन कुमार के द्वारा सत्र की शुरूआत की गई जिसमें चर्चा किया गया बाल श्रम बाल विवाह बाल तस्करी शिक्षा अधिकार अधिनियम विद्यालय प्रबंधन समिति की जिम्मेदारी भूमिका जवाबदेही बाल संरक्षण समिति के सदस्यों की जिम्मेदारी भूमिका किशोरी समूह के सदस्यों की जिम्मेदारी व भूमिका आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत सभी बच्चों को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा देने का प्रावधान है जिसमें एक्शन एड द्वारा बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रयास निरंतर किया जा रहा है 6 से 14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के लिए गांव-गांव में वालंटियर बनाए गए हैं जो वालंटियर अपने गांव मोहल्ला बस्ती मजरा में शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं सामुदायिक बैठक के द्वारा लोगों को बताया जा रहा है कि 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को स्कूल भेजिए बच्चों से बाल मजदूरी ना कराया जाए अगर बच्चा कोई ऐसा कार्य कर रहा है जिससे उसकी शिक्षा बाधित हो रही है तो वह बाल श्रम कहलाएगा बच्चे को स्कूल में भेजने के लिए अभिभावकों को स्कूल के प्रति जागरूक किया जाए ताकि वह अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और बच्चों से बाल श्रम ना कराएं बाल विवाह को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि माता-पिता अपने बच्चों को सही उम्र में शादी करें और उनका बाल विवाह ना करें इसी के साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं को लेकर चर्चा किया गया जिससे समाज के दबे पिछड़े वंचित परिवार को विकास के मुख्य धारा में जोड़ा जा सके इस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया बैठक में चिंता देवी, पिंकी, नेहा गुप्ता, सरिता गुप्ता,शांति देवी,इंद्रावती,मंजू,श्याम कुमारी,इंद्रावती देवी,सुशीला देवी,राजमन इत्यादि लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं